# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है। नीट परीक्षा..... पेज: 7

इमेज के लिए नही करता देश भक्ति पेज: 8



वर्ष : 01 | अंक : 343 | बुधवार 25 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


आरक्षण कानून | महिला आरक्षण कानून

## संसद में आ सकते हैं दो नए विधेयक, विपक्ष बोला- सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार

नई दिल्लीः केंद्र सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र में महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लागू करने के लिए दो नए विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की योजना है कि लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही इस कानून को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।विपक्ष की सर्वदलीय बैठक की मांग इस बीच, कई विपक्षी दलों ने सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। विपक्ष का कहना है कि यह बैठक मौजूदा विधानसभा चुनावों के संपन्न होने के बाद आयोजित की जाए।क्या है सरकार की पहल?

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के सदन के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की। ताकि आम सहमति बन सके। यदि सहमति बनती है, तो ये दो विधेयक इसी सप्ताह संसद में पेश किए जा सकते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लोकसभा सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती है, जिसमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।महिला सांसदों की प्रतिक्रिया

मामले को लेकर कई दलों की महिला सांसदों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। जदयू सांसद लवली आनंद ने इसे एक सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि राजनीति में महिलाओं की अधिक भागीदारी से देश की प्रगति तेज होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की।

क्या बोलीं भाजपा सांसद?

भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आधी आबादी से किए गए वादे को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों के प्रयास महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए रहे हैं, जिससे नीति-निर्माण में उनकी भूमिका बढ़ेगी।

वहीं, समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने पहल का स्वागत करते हुए कार्यान्वयन की स्पष्टता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आरक्षण के मानदंड और व्यवस्थाएं क्या होंगी। हम सरकार की इस पहल से खुश हैं।

क्या है मामला?

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। सितंबर 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे अपनी स्वीकृति दी थी।

यह प्रावधान परिसीमन अभ्यास के बाद लागू होना है, लेकिन सरकार इसे जल्द प्रभावी बनाने की दिशा में काम कर रही है।

### विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा, राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है और सरकार 2032 तक सभी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देगी। उन्होंने कहा कि सरकार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश की वित्तीय स्थिति को कमजोर बताने के दावे को सीएम सुक्खू ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन में कटौती नहीं की गई है, बल्कि इस केवल छह महीने के लिए स्थगित किया है। साथ ही उन्होंने जयराम ठाकुर पर गलत आंकड़े प्रस्तुत करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि सही आंकड़े दिखाते, तब स्थिति को लेकर भ्रम नहीं फैलता। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि यदि विपक्ष सरकार के फैसलों का विरोध नहीं कर रहा और कोर्ट नहीं जा रहा, तो इसका मतलब है कि वे भी वास्तविक स्थिति को समझते हैं। इसके अलावा, उन्होंने सोलन और कुल्लू जिलों के अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने की योजना की जानकारी दी, जिसके लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएगी। अंत में सुक्खू ने सवाल उठाया कि कौन सी सरकार बेहतर है—वह जो 17 हजार करोड़ की आरडीजी से चल रही है या वह जिसने 76 हजार करोड़ के कर्ज का दुरुपयोग किया।

### वजन घटाने वाली दवा को लेकर सतर्क ड्रग्स कंट्रोलर... दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार पर सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वजन घटाने वाली दवा (जीएलपी-1) की सप्लाई चेन में नैतिक फार्मास्युटिकल तरीकों को सुनिश्चित करने भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार के खिलाफ जांच तेज कर दी है। भारतीय बाजार में जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के कई जैनेरिक वेरिएंट के आने के साथ रिटेल फार्मेसियों, ऑनलाइन, थोक विक्रेताओं और वेलनेस क्लीनिकों के माध्यम से इसकी मांग को लेकर चिंता सामने आई हैं। जब इन दवाओं का उपयोग उचित चिकित्सकीय देखरेख के बिना किया जाता है, तब इनके गंभीर दुष्प्रभाव और संबंधित स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। स्थिति का संज्ञान लेकर भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने राज्य रेगुलेटरों के सहयोग से फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में संभावित गलत तरीकों को रोकने और बिना अनुमति बिक्री तथा उपयोग को रोकने के लिए कई लक्षित कार्रवाइयां शुरू की हैं। 10 मार्च 2026 को सभी निर्माताओं को विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें स्पष्ट रूप से सरोगेट विज्ञापनों (अप्रत्यक्ष विज्ञापनों) और किसी भी प्रकार के अप्रत्यक्ष प्रचार पर रोक लगाई गई थी, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है। हाल के हफ्तों में प्रवर्तन गतिविधियों को काफी बढ़ाया गया है। 49 संस्थाओं पर ऑडिट और निरीक्षण किए गए, जिसमें शामिल हैं ऑनलाइन फार्मेसी के गोदाम, दवा के थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, और वेलनेस तथा स्लिमिंग क्लीनिक प्रमुख है। ये निरीक्षण देश भर के कई क्षेत्रों में किए गए और इनका मुख्य उद्देश्य बिना अनुमति बिक्री, गलत प्रिस्क्रिप्शन (दवा लिखने) के तरीके, और गुमराह करने वाले मार्केटिंग से संबंधित उल्लंघनों की पहचान करना था। रेगुलेटर इस बात पर ज़ोर देता है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। चिकित्सकीय देखरेख के बिना वजन घटाने वाली दवाओं का गलत उपयोग गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी दवाओं का उपयोग केवल योग्य चिकित्सकों के मार्गदर्शन में ही करें।

### देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सिय या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। राजस्थान में पिछले सप्ताह शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में 26 से 31 मार्च के बीच दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं जिलों में बारिश हुई। दोपहर में कोटा, बारां, अजमेर में बारिश हुई।

## कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

**-दो सहयोगियों को भी 30-30 साल की जेल**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा

नसरीन को 30-30 साल की जेल की सजा दी गई। तीनों को इससे पहले जनवरी में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत ने सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने पूर्व निर्णय में कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। 14 जनवरी को अदालत ने तीनों आरोपियों को यूएपीए की विभिन्न धाराओं-धारा 20 (आतंकवादी संगठन का सदस्य होना), धारा 38 (आतंकवादी संगठन से जुड़ाव) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए, 153बी, 120बी, 505 और 121ए के तहत भी इन्हें अपराधी पाया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ सरकारी वकील ने कड़ी सजा की मांग की थी। एजेंसी का कहना था कि आरोपी देश के खिलाफ गंभीर साजिशों और गतिविधियों में शामिल रही हैं, इसलिए उन्हें ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो समाज में एक कड़ा संदेश दे और भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगे। गौरतलब है कि तीनों आरोपियों को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसे देश विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक सख्त कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

## राहुल गांधी एक अबोध बालक, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं

**-गिरिराज ने विपक्ष के नेता पर कसा तंज, बोले- मोदी के नेतृत्व पर सबको भरोसा**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं, वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के पीएम मोदी ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का

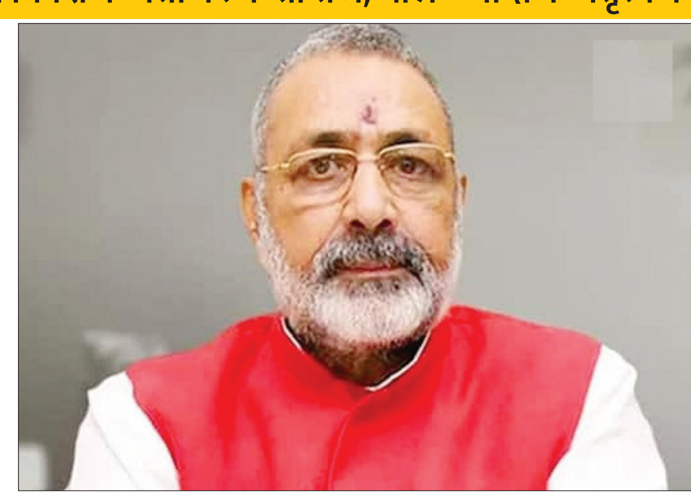

मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है।

गिरिराज यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में पीएम मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और कहा कि वह ट्रम्प के 100फीसदी नियंत्रण में हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सुना है कि पीएम मोदी ने 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में भाग नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है और चेतावनी देते हुए कहा कि यहां हमारे पास छोटे खेत हैं, जबकि अमेरिका में हजारों एकड़ में फैले बड़े-बड़े खेत हैं। यहां लोग हाथों से काम करते हैं, और वहां बड़े-बड़े मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिकी सामान भारत आने लगे, तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। ये टिप्पणियां पीएम मोदी के लोकसभा में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष पर दिए गए भाषण के बाद आईं।

## मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है, उनका साम्राज्य जाने वाला है

**केजरीवाल बोले- आज चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे, सबसे बड़ा उदाहरण मैं हूं**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है। केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्चिंग के मौके पर दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबक केजरीवाल ने कहा कि एक समय ऐसा होता था जब एक भी नेगेटिव कमेंट आता था तो इनकी पूरी मशीनरी मिलकर उसको डिलीट या म्यूट कर देती थी, लेकिन अब तो मोदी एक पोस्ट करते हैं तो नीचे कमेंट बॉक्स में सिर्फ गालियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि पहले जब मोदीजी के खिलाफ कोई मीम बना देता था तो उसको जेल हो जाती थी, लेकिन अब इतने मीम बन रहे हैं कि किस-किस को जेल में डालेंगे। सोशल मीडिया का पूरा माहौल और इको-सिस्टम ही बदल चुका है। वही आपको बताता है कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है।

बीजेपी के चुनाव जीतने पर केजरीवाल ने कहा कि चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण मैं हूं। मैं नई दिल्ली विधानसभा से चुनाव लड़ा। मेरे जेल जाने से पहले मेरी विधानसभा में जब मैं पिछली बार लड़ा था तो 1 लाख 48 हजार वोट थे। जब मैं जेल से लौटकर आया तो 1 लाख 6 हजार वोट बचे थे। 42 हजार वोट इन्होंने पीछे से कटवा दिए। उन्होंने कहा कि ये इसी तरह से जीत रहे हैं। वोट जोड़ते हैं, डिलीट करवाते हैं और फर्जी वोट डलवाते हैं। जब देश को इन दोनों से मुक्ति मिलेगी तो एक संतुष्टि यह होगी कि इस लड़ाई में हमने भी योगदान दिया और हम भी जेल गए थे।

इससे पहले केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से पैदा हालात को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट है, एलपीजी की कमी से कई कारोबार प्रभावित हुए हैं और लोग गर्मी में सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं। साथ ही प्रवासी मजदूरों के सामने रोजगार का संकट है और रुपया भी निचले स्तर पर पहुंच गया है। जब दुनिया को पहले से अंदेशा था, तो सरकार ने पहले से तैयारी क्यों नहीं की और हर संकट का बोझ आम लोगों पर ही क्यों डाला जाता है।

## अलवरः घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र की एसी फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का हुआ नुकसान

**अलवर (एजेंसी)।** राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा के घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ स्थित ट्रांस एचसीआर नामक एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनी में मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी आगोश में ले लिया। रात के सन्नाटे में उठती आग की गगनचुंबी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से साफ देखा जा सकता था, जिससे आसपास के ग्रामीणों और अन्य औद्योगिक इकाइयों में भारी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया। नीमराणा, बहरोड़, घीलोठ और सोतानाला से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा क्योंकि फैक्ट्री के भीतर एसी निर्माण में प्रयुक्त होने वाला ज्वलनशील सामान,

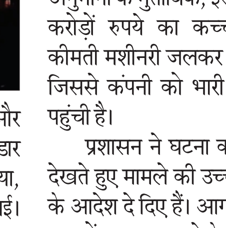

प्लास्टिक पार्ट्स, पैकिंग सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारी भंडार था। इस सामग्री ने ईंधन का काम किया, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। गनीमत यह रही कि हादसा देर रात हुआ जब फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिसके कारण एक बड़ा जानी नुकसान टल गया।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तीव्र थीं कि फैक्ट्री की छत धधक उठी और परिसर के भीतर से रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री के अंदर रखे गैस सिलेंडर, कंप्रेसर या केमिकल कंटेनर अत्यधिक गर्मी के कारण फट गए, जिसने आग को और अधिक विकराल बना दिया। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस अग्निकांड में करोड़ों रुपये का कच्चा माल और कीमती मशीनरी जलकर राख हो गई है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। आग के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बुलाई जा रही है, जो शॉर्ट सर्किट, मशीनरी में तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे बिंदुओं पर जांच करेगी। स्थानीय निवासियों और औद्योगिक संगठनों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने की मांग की है। फिलहाल, सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

## ईरान की रणनीति देख भारत ने भी पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल किया

**-इस 'देसी ब्रह्मास्त्र' में है कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान की अमेरिका-इजराइल के खिलाफ चल रहे महायुद्ध ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। इस वैश्विक तनाव और पाकिस्तान-चीन सीमा पर बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना ने अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने एक और पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल कर लिया है और इस साल के अंत तक एक और रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी में है। इससे सेना के पास अब 7 पिनाका रेजिमेंट हो गए हैं, जो पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात हैं।

मीडिया रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों ने हवाले से बताया गया है कि पिनाका के आठवें रेजिमेंट के लिए अब आधे से ज्यादा उपकरण प्राप्त किए चुके हैं और 2026 के अंत तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। अगले साल दो और रेजिमेंट को शामिल करने की योजना है, जिससे कुल संख्या 10 हो जाएगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 22 पिनाका रेजिमेंट बनाने का है, जिसमें नई लंबी दूरी वाली गाइडेड मिसाइलों से लैस संस्करण शामिल होंगे। ये पुरानी सिस्टम की जगह लेंगे और छोटे मिसाइल-ड्रोन के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

भारत की पाकिस्तान से सटी पश्चिमी सीमा और चीन से सटी उत्तरी सीमा पर हालात लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। खासतौर पर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद सेना ने अपनी आर्टिलरी ताकत को तेजी से मजबूत करने का फैसला लिया। भारतीय सेना ने तब भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, टाटा पॉवर और लार्सन एंड टुरबो के साथ करीब 2,580 करोड़ रुपए के छह पिनाका रेजिमेंट के लिए समझौता किया था। अब इनका तेजी से उत्पादन और तैनाती की जा रही है। ईरान-अमेरिका जंग में ड्रोन और मिसाइल स्वार्म अटैक की रणनीति देखते हुए सेना ने पिनाका को और अहम हथियार माना है। इस जंग में बड़े पैमाने पर रॉकेट, ड्रोन और प्रिसिजन स्ट्राइक सिस्टम का इस्तेमाल हो रहा है। यही वजह है कि भारत भी अपनी सेना को ऐसे हथियारों से लैस कर रहा है जो एक साथ कई लक्ष्यों को तेजी से निशाना बना सकें।

रिपोर्ट के मुताबिक पिनाका भारत का स्वदेशी मल्टी-बारेल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इस भारतीय सेना का 'देसी ब्रह्मास्त्र' कहा जाता है, क्योंकि यह कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता रखता है। यह 122 मिमी रॉकेटों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली और सटीक है। पिनाका 12 रॉकेट एक साथ दाग सकता है और कुछ ही सेकंड में दुश्मन के बड़े इलाके को निशाना बना सकता है। इसकी रेंज 40 से 75 किलोमीटर तक है, जबकि इसके नए गाइडेड वर्जन 120 किमी तक सटीक हमला करने में सक्षम हैं।

आधुनिक युद्ध में छोटे ड्रोन और लो-कॉस्ट मिसाइलें बड़ा खतरा बनकर उभरी हैं। पिनाका का अपग्रेडेड वर्जन ऐसे लक्ष्यों के खिलाफ भी प्रभावी माना जा रहा है। इसकी एक रेजिमेंट में 18-24 लॉन्चर होते हैं, जो मिनटों में सैकड़ों रॉकेट दाग सकते हैं। यह छोटे ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के स्वार्म अटैक का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। ईरान की तरह दुश्मन अगर सस्ते ड्रोन और

मिसाइलों से हमला करे तो पिनाका का सैल्वो दुश्मन के लॉन्चर और कमांड सेंटर को पहले ही नष्ट कर सकता है। इसका एक रॉकेट महज कुछ लाख रुपए में आ जाता है, जबकि दुश्मन की महंगी मिसाइल को रोकने वाले सिस्टम करोड़ों में होते हैं।

बता दें ईरान-इजरायल संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक नहीं होंगे, बल्कि टेक्नोलॉजी आधारित होंगे, जहां मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट सिस्टम अहम भूमिका निभाएंगे। भारत इसी दिशा में अपनी सेना को तैयार कर रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला किया जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति देखते हुए भारत ने सही समय पर कदम उठाया है।

# तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

**आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है।**

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है।

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

## संपादकीय

### देर से आए और दुरुस्त नहीं आए

21 मार्च को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शाम साढ़े चार बजे के करीब सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी - ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, लघु और अतिलघु उद्योगों (एमएसएमई) को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, विदेशी निवेशकों का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। शनिवार को लिखी इस पोस्ट के बाद नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आकर संसद में मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध पर सरकार के नजरिए को सामने रखा। हालांकि युद्ध 28 फरवरी से चल रहा है और इस बीच संसद सत्र भी जारी ही था, तो प्रधानमंत्री के सामने पहले भी मौका था कि वे फौरन संसद से देश को संबोधित करते और बताते कि इस कठिन वक्त में वे देश को कौन सी राह पर आगे बढ़ाने वाले हैं। लेकिन यहां भी उन्हें संभवतः इंतजार था कि राहुल गांधी कुछ कहें तो वे आगे बढ़ें। हमेशा यही होता है। राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते हैं, सरकार पहले उनका मजाक उड़ाती है, बाद में उसी पर आगे भी बढ़ती है। जाति जनगणना को स्वीकार करना या किसान आंदोलन में आखिरकार मानना कि कोई कमी रह गई है ये सब उसी के उदाहरण हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने सोमवार को जो कुछ संसद में कहा, उससे देश की मौजूदा समस्याओं के हल को लेकर कोई आस नहीं बंधी, दूसरी तरफ इस युद्ध को लेकर जो स्पष्ट नजरिया उन्हें रखना चाहिए था, उसमें भी वे चूक गए। युद्ध सही नहीं है या संवाद से समाधान निकालें, जैसे उपदेश देने का वक्त अब नहीं रहा। बल्कि नरेन्द्र मोदी के सामने पूरा मौका था कि वे अपनी संसद में, अपने ही लोगों के बीच, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के दायरे में अमेरिका और इजरायल को कहते कि ईरान पर युद्ध छेड़कर आपने ठीक नहीं किया। आपको किसी देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाने का कोई हक नहीं है। नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो शायद आज विपक्ष भी उनके साथ ही खड़ा होता और इससे पूरी दुनिया में भारत की आवाज फिर से बुलंद होती।

## चिंतन-मनन

### अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# ऊर्जा ठिकानों पर हमले: दुनिया को मंदी की ओर धकेलता युद्ध

राज कुमार सिन्हा

ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायली हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच गया है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर यह हमला केवल एक सैन्य घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपूर्ति में रुकावट के कारण कई देशों को लंबे समय तक ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। द इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित समाचार के अनुसार अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने इतिहास का सबसे खराब वैश्विक ऊर्जा व्यवधान बताया है, जो 1973 के अरब तेल प्रतिबंध को भी पीछे छोड़ दिया है। मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा कि आप ऊर्जा संरक्षण के जरिए इस समस्या से बच नहीं सकते। इसका नतीजा यह होगा कि कीमतें इतनी बढ़ जाएंगी कि लोग उपभोग करना बंद कर देंगें। यह पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में ईरान के ऊर्जा ढांचे को सीधे निशाना बनाया गया है। 17 मार्च तक, अमेरिका और इजराइल ने खाड़ी में ईरान के ऊर्जा उत्पादन केंद्रों को निशाना बनाने से परहेज किया था। यहां तक कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 90 प्रतिशत तेल निर्यात के केंद्र खारग द्वीप पर हमला किया, तब भी केवल सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इजराइल द्वारा कतर के साथ साझा किए जाने वाले साऊथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमले के बाद यह स्थिति बदल गई है। पार्स गैस फील्ड दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार का हिस्सा है, जिसे ईरान कतर के साथ साझा करता है। इस घटना को अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को बड़े ऊर्जा संकट के रूप में देखा जा रहा है। जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। यह युद्ध का एक खतरनाक मोड़ साबित हो रहा है। साउथ पार्स गैस क्षेत्र, भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई तत्काल वृद्धि से इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रही बाधाओं ने यह दिखा दिया है कि एक छोटा समुद्री मार्ग भी वैश्विक सप्लाई चेन को हिला सकता है। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर, जो दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी निर्यात केंद्र है, ईरानी मिसाइल हमलों से तबाह हो गया है। रास लाफान पर हमलों के कारण कतर की कुल एलएनजी निर्यात क्षमता में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आई है। कतर एनर्जी के अधिकारियों के अनुसार, इस नुकसान की मरम्मत में 3 से 5 साल का समय लग सकता है, जिससे यह एक दीर्घकालिक संकट बन गया है। इस हमले से कतर को प्रति वर्ष लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है।

यह हमला केवल कतर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर भी इसका बड़ा असर पड़ा है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का लगभग 40 से 50 प्रतिशत कतर से आयात करता है, इसलिए यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। मध्य पूर्व से चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को तेल का लगभग 75 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 59 प्रतिशत निर्यात होता है।

इन सभी अर्थव्यवस्थाओं को तेल-गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है। होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन और उत्पादन जैसे कई क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने कहा है कि खाध सेवा उद्योग का 75 फिसदी हिस्सा एलपीजी पर निर्भर है और लंबे समय तक इसकी कमी रहने से अर्थव्यवस्था को प्रतिदिन 12 से 13 हजार करोड़ रुपए नुकसान हो सकता है। युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 39 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई हैं। ईंधन और प्राकृतिक गैस की बढ़ती कीमतों से दुनिया भर में माल ढुलाई और उत्पादन लागत बढ़ गई है, जिससे महंगाई बढ़ रही है। भारत में भी प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए और इंडस्ट्रियल डिजल 22 रुपए प्रति लीटर महंगी हो गई है। दुनिया भर में यूरिया की कुल आपूर्ति में कतर का लगभग 10 प्रतिशत योगदान है। लेकिन ईरानी हमले की वजह से कतर के कई प्लांट बंद हैं, जिससे भारत में भी खाद की किल्लत बढ़ सकती है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकता है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं। विकासशील देशों में पूंजी प्रवाह कम हुआ है। कई देशों ने अपने रक्षा बजट बढ़ा दिए हैं, जिससे सामाजिक और विकासात्मक खर्चों पर दबाव बढ़ा है। भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन सप्ताह में 27 से 34 लाख करोड़ रुपये तक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। मूडीज के अनुसार, ऊर्जा की कीमतें बढ़ती रहीं तो भारतीय रुपये पर दबाव और बढ़ेगा। खाडी देशों में 90 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। युद्ध के कारण 50 हजार भारतीय वापस देश लौट चुके हैं। अगर युद्ध लंबा खिंच गया तो काम प्रभावित होगा और शेष भारतीय भी वापस लौटने को मजबूर होंगे। खाडी देशों में भारतीय काम करके अच्छा खासा रेमिटेंस भारत में भेजते हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि यदि संघर्ष जारी रहता है, तो कतर और कुवैत की जीडीपी में 14 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। यह विदित है कि युद्ध के कारण अनिश्चितता बढ़ती है, जिससे निजी निवेश रुक जाता है और वित्तीय प्रणाली कमजोर होती है। युद्ध राष्ट्रीय ऋण में वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, बुनियादी ढांचे के विनाश और दीर्घकालिक आर्थिक विकास में गिरावट का कारण बनता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए 100 से अधिक युद्धों के अध्ययन में यह पाया गया कि इन संघर्षों के कारण संबंधित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़े। वर्तमान युद्धों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुआयामी संकट में डाल दिया है। यदि यह संघर्ष जल्द समाप्त नहीं होता, तो यह 1990 के बाद के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक बन सकता है। यह संकट दुनिया भर के उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नीति निमार्ताओं के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और वैश्विक मंदी के जोखिम को बढ़ा रहा है।

# ईंधन की कमी से जूझ रही दुनिया, हर देश के सामने संकट, पाबंदियों के चलते जनता बेहाल

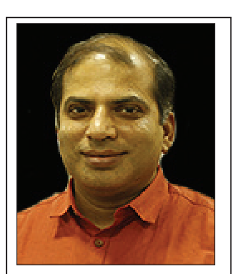

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में बिगड़ते हालात के चलते दुनिया एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है जहां तेल केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि सत्ता, रणनीति और अस्तित्व का सवाल बन चुका है। ताजा हालात बता रहे हैं कि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने देशों को झकझोर कर रख दिया है। ऑस्ट्रेलिया में कीमतें करीब बत्तीस प्रतिशत उछलीं, पाकिस्तान में पच्चीस प्रतिशत और अमेरिका में चौबीस प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी ने साफ कर दिया है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है। जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन से लेकर जापान तक हर देश इस आग में झुलस रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकारें अब सीधे जनता की जिंदगी में दखल दे रही हैं। पाकिस्तान में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए, चार दिन का कार्य सप्ताह लागू किया गया और सरकारी कर्मचारियों के लिए आधा काम घर से करने का आदेश जारी हुआ। गैर जरूरी सरकारी वाहनों को सड़कों से हटाया गया और ईंधन आवंटन में पचास प्रतिशत कटौती कर दी गई। यह कदम साफ दिखाता है कि संकट कितना गहरा है।

श्रीलंका ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। स्कूल, विश्वविद्यालय और गैर जरूरी दफ्तर बंद कर दिए गए। क्यूआर आधारित ईंधन पास फिर से लागू कर दिया गया, जिसमें निजी वाहनों के लिए साप्ताहिक सीमा तय कर दी गई। यह व्यवस्था बताती है कि सरकारें अब संसाधनों को नियंत्रित करने के लिए तकनीक का सहारा ले रही हैं। बांग्लादेश में विश्वविद्यालय और कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए और ऑनलाइन शिक्षा लागू की गई। पांच घंटे की बिजली कटौती ने आम जीवन को झकझोर दिया है। उर्वरक संयंत्र तक बंद करने पड़े, जिससे कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। भूटान में जमाखोरी रोकने के लिए जरी कैन में ईंधन बिक्री पर रोक लगा दी गई और आपात सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

फिलीपींस और वियतनाम में भी हालात काबू से बाहर जाते दिख रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन का कार्य सप्ताह और निजी क्षेत्र को घर से काम करने की सलाह दी गई है। गैर जरूरी यात्राओं पर रोक लगाकर सरकारें साफ संकेत दे रही हैं कि अब हर बूंद की कीमत है।

अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में संकट और भयावह है। म्यांमार ने निजी वाहनों के लिए विषम सम प्रणाली लागू कर दी। कंबोडिया में हजारों पेट्रोल पंप बंद हो गए। लाओस में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम और रोटेटिंग शिफ्ट लागू की गईं ताकि आवागमन कम हो। दक्षिण अफ्रीका में नियंत्रित आवंटन लागू हो चुका है, जबकि मिस्र में बाजार, रेस्तरां और सरकारी दफ्तरों के समय सीमित कर दिए गए और रोशनी वाले विज्ञापन बंद कर दिए गए।

वहीं केन्या ने ईंधन राशनिंग और निर्यात पर प्रभावी रोक लगा दी है। न्यूजीलैंड में हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। स्लोवाकिया और स्लोवेनिया जैसे यूरोपीय देशों में भी डीजल खरीद पर सीमा तय कर दी गई है। इस तरह यह संकट अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुका है।

देखा जाये तो यह तेल संकट केवल कीमतों का खेल नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का नया अध्याय है। ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण रखने वाले देश अब निर्णायक बढ़त हासिल कर रहे हैं। जो देश आत्मनिर्भर नहीं हैं, वे नीतिगत गुलामी की ओर बढ़ रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम, राशनिंग और आवागमन पर नियंत्रण जैसे कदम बताते हैं कि सरकारें अब युद्धकालीन नीतियों को शांतिकाल में लागू कर रही हैं।

इसके अलावा, यह संकट आने वाले समय में कई बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। एक तो, ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र बनेगी। इसके अलावा, डिजिटल निगरानी और संसाधन नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे नागरिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखला टूटने से खाद्य संकट और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। सबसे अहम बात यह है कि यह संकट देशों को मजबूर कर रहा है कि वह वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ें। लेकिन जब तक यह बदलाव पूरी तरह नहीं होता, तब तक जनता को कड़े प्रतिबंध और कठिन फैसलों का सामना करना ही होगा। बहरहाल, तेल संकट ने दुनिया को आईना दिखा दिया है। यह साफ है कि आने वाले समय में ऊर्जा ही असली शक्ति होगी। सरकारें जितनी जल्दी इस सच्चाई को समझेंगी, उतना ही बेहतर होगा। लेकिन फिलहाल, हालात यह कहते हैं कि दुनिया एक लंबे संघर्ष की ओर बढ़ रही है, जहां हर देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

# राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत किया गया कृषि गोष्ठी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- गन्ना विकास परिषद गजरौला एवं चीनी मिल चंदनपुर एवं शाहाबाद के ग्राम-शाहबाजपुर डोर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना(RKVY) के अंतर्गत कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इफको क्षेत्राधिकारी अमरोहा प्रवीन सिंह ने दानेदार उर्वरकों से होने वाली सभी हानि को अवगत कराते हुए नैनो उर्वरकों के लाभों के बारे में जानकारी दी। प्रवीन सिंह ने बताया कि नैनो यूरिया का प्रयोग हमेशा फसलों पर स्प्रे करने से रिजल्ट मिलेगा और गन्ना बुआई में नैनो डीएपी से गन्ने के बीज को बीजोपचार करके बुआई करे। इससे फसल में जो NPK और डीएपी डालते हैं जो महंगी होती जा रही है उनकी जगह इसका प्रयोग करे अच्छा रिजल्ट मिलेगा और किसान की लागत भी कम आएगी। राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक शिवशंकर लाल ने उड 0238 प्रजाति का विस्थापन, स्वीकृत गन्ना प्रजाति COLK 14201, COLK 16202,COS 13235, 18231, 19231,15023, CO 0118 आदि नवीन गन्ना प्रजाति की बुआई, पैड़ी प्रबंधन, पंचामृत खेती, बीज एवं भूमि उपचार, गन्ना विभाग/समिति द्वारा दी जा रही सुविधाएं, कृषि निवेश, फार्म मशीनरी बैंक आदि पर विस्तार से जानकारी दी। चीनीमिल चंदनपुर से आए डीजीएम आशीष कुमार तिवारी ने गन्ना किसानों से अपील की कि वे गन्ना साफ सुथरा लाएं जिससे चीनी की गुणवत्ता और रिकवरी अच्छी हो सके। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को समय से शीघ्र ही गन्ना मूल्य भुगतान दिलाने की बात कही।गोष्ठी में इफको के क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीन सिंह, अभी गोस्वामी, चीनीमिल चंदनपुर से ऐ. के. तिवारी, टी. सी. राजोरिया सर्कल राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक अनिल कुमार,साथ ही अन्य राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक सचिन कुमार, सतेंद्र सिंह राणा, संजय कुमार,शिव शंकर, तथा चीनी मिल सर्वेयर विपिन कुमार और लगभग 50 किसान मौजूद रहें।

# हसनपुर में भाकियू (शंकर) के कार्यकताओं ने जनसमस्याओं को लेकर किया प्र्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर तहसील में उपजिलाधिकारी कार्यालय पर मंगलवार की दोपहर मदन सिंह सैनी की अध्यक्षता व कैप्टन वीर सिंह चौहान के संचालन मे धरना-प्रदर्शन एवं पंचायत का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि तहसील क्षेत्र के ज्वलंत समस्याओं में प्रमुख मुद्दों में आवारा कुत्तों का आतंक, छुट्टा गोवंश से फसल नुकसान, बिजली संकट, चकबंदी में भ्रष्टाचार, ङउउ में बैंक मनमानी, हसनपुर-अतरासी चौराहे पर जाम, हसनपुर चीनी मिल अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान व विस्तारीकरण एवं भूमाफियाओं के

अवैध कब्जे शामिल हैं,इसके अतिरिक्त 18-19 की रात्रि में आई आंधी, तूफान व ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों के मुआवजे की मांग भी प्रमुखता से उठाई।संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंहने कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगा।

अंत में कार्यकारिणी ने निर्णय लिया की जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा तो आज से कैप्टन वीर सिंह चौहान सर जी सिंह नेतराम सिंह ब्लॉक अध्यक्ष राकेश रतनपुर राज्यपाल सैनी सीताराम जी मदन सिंह सैनी बबीता रानी महावीर सिंह ज्योति रानी के नेतृत्व में क्रमिक अनशन शुरू किया जा रहा है आज के कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह योगेंद्र खड़कवंशी हरि सिंह सैनी मोनू चौधरी महेश्वर त्यागी सुखबीर भगत जी सतवीर जी विक्रम पवार शेर सिंह राणा भारत लाल राजपाल सैनी सीताराम सत्येंद्र सिंह सुंदर सिंह कैप्टन वीर सिंह मदन सिंह सैनी महावीर सिंह बबीता रानी नीरज चौधरी ज्योति चौहान ओंकारी देवी बाला देवी रूपवती कृष्णा मुन्नी त्यागी कल्लो देवी मिथलेश देवी सट्टा देवी बिना सैनी जयवती बृजेश देवी संगम आदि सैकड़ो कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

# डिडौली में दो पक्षों में विवाद के दौरान पथराव,4 लोग घायल, पुलिस बल तैनात

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र के ककराली गांव में मुस्लिम समुदाय के दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ। जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।वहीं पथराव में 4 लोग चोटिल हो गए। वीडियो के आधार पर पुलिस जांच पड़ताल कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक विवाद पुराने मतभेदों को लेकर शुरू हुआ था। मामूली कहासुनी देखते ही देखते पत्थरबाजी

में बदल गई, जो काफी देर तक जारी रही। घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।पथराव के चलते गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में दुबकने को मजबूर हो गए।

इस दौरान कई घरों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात काबू में करने के लिए बल प्रयोग किया। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त की जा रही है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और उपद्रवियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन गांव में तनाव बरकरार है।

# जिलाधिकारी ने किया टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के प्रधानों का सम्मान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में टीबी दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा टीबी मुक्त घोषित हुई 121 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी द्वारा इस अवसर पर लगातार जनपद की 07 ग्राम पंचायत नारंगपुर, यगबगड़ी, दबका, कुमारिया, अव्वलपुर, ओसामाफी व सिकंदरपुर को दूसरी बार टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनने पर सिल्वर शील्ड देकर सम्मानित किया और उनके कार्य की प्रशंसा की। इसी के साथ जिलाधिकारी ने जिले में टीबी उन्मूलन के लिए 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान की भी शुरूआत भी की, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव व इलाज के प्रति जागरूक किया करना है जिससे टीबी मरीजों की समय पर पहचान कर उनका पूर्ण उपचार किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय टी0बी0 दिवस के अवसर पर ग्राम प्रधानों को सम्मान इसलिए किया गया है क्योंकि आप इस सम्मान के पात्र हो क्योंकि आपके सहयोग के बिना यह कार्य पूर्ण नहीं होता। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आज भी टीबी के मरीजों को अलग नजरिए से देखा जाता है और यह जागरूक करने का सबसे महत्वपूर्ण विषय है जिसमें आपका पूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि जनपद के विकास के लिए विकसित जनपद के लिए विकसित प्रदेश के लिए विकसित देश के लिए ग्राम प्रधानों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने शासन और प्रशासन के सहयोग के लिए ग्राम प्रधानों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन ही विकास के रास्ते खोलना है इसलिए हम जागरूक करें कि सभी के बच्चे स्वस्थ हो। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कहा कि संचारी रोगों से बचने के लिए अपने ग्रामों में जागरूकता फैलाई पानी एकत्र न होने दे और जो भी अभियान चलाए जा रहे हैं उनमें सहभागिता अवश्य करें क्योंकि आपके बिना बिना सहभागिता के कोई भी अभियान पूर्ण नहीं हो सकता ।उन्होंने स्वच्छता को लेकर, जल बचाने अभियान को लेकर, स्कूल चलो अभियान के प्रति,

महिला सशक्तिकरण के प्रति, आजीविका दीदी मिशन के प्रति जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं उसने अपना सहयोग करें और जो भी पात्र हैं उनको सरकार की योजनाएं जो संचालित हैं उनका लाभ उन्हें प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि सरकार सभी का ध्यान रख रही है उन्होंने का 01 अप्रैल से एक अभियान आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत शुरू होने वाला है जिसका उद्देश्य है उसे ग्राम के सभी व्यक्ति की आय में वृद्धि करना। उन्होंने कहा कि जो गरीब व्यक्ति है उनको विभिन्न योजनाओं के लाभ से प्राथमिकता के साथ दिया जाए। उन्होंने कहा कि टीवी के मरीजों को नियमित दबाए लेने के लिए जागरूक ताकि जो ग्राम पंचायत सिल्वर शील्ड प्राप्त की है, वह गोल्ड शील्ड प्राप्त करें और कांस्य शील्ड सवाले सिल्वर शील्ड प्राप्त करने के किये और अच्छा कार्ये करे। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि जो भी कार्ये पंचायत के माध्यम से कराए जा रहे हैं उनको शत प्रतिशत लागू करें। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि टीबी अभियान कार्यक्रम में हिस्सा लेकर और अच्छा कार्य करें लोगों को जागरूक करें गरीब व्यक्ति जो टीबी मरीज है उन्हें पोषण पोटली वितरित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जसकरन गंगवार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

# गेस्ट हाउसों और होटलों में अनैतिक गतिविधियों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा व थाना बछरायूं क्षेत्र के गेस्ट हाउसों और होटलों में अनैतिक गतिविधियों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव और पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजलि कटारिया के नेतृत्व में पुलिस बल ने विभिन्न गेस्ट हाउसों पर औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई से होटल संचालकों में हड़कंप मच गया।

बता दें कि एसडीएम विभा श्रीवास्तव और सीओ अंजलि कटारिया भारी पुलिस बल के साथ जांच के लिए पहुंचीं। बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। टीम ने एक गेस्ट हाउस के कमरों की तलाशी ली, जहां तीन जोड़े मिले। अधिकारियों ने पूछताछ और पहचान पत्रों की जांच के बाद उन्हें बालिग पाया। प्रशासन की कार्रवाई की खबर फैलते ही अन्य गेस्ट हाउस संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। जब टीम बछरायूं चौपला चौराहे पर स्थित गेस्ट हाउसों पर पहुंची, तो वे बंद मिले। कार्रवाई की भनक लगते ही संचालक ताला लगाकर फरार हो गए थे। प्रशासन की टीम ने ऐसे बंद प्रतिष्ठानों को चिन्हित कर लिया है।एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र में होटलों के भीतर अनैतिक गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक रुटीन जांच प्रक्रिया का हिस्सा थी। जांचे गए गेस्ट हाउस सराय एक्ट के तहत पंजीकृत पाए गए।एसडीएम ने होटल संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि वे बिना वैध पहचान पत्र और रजिस्टर में प्रविष्टि के किसी को भी कमरा न दें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# गजरौला में शिक्षा विभाग की कार्यशाला का आयोजन, विधायक राजीव तरारा ने बच्चों को किया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में शिक्षा विभाग द्वारा प्रधानाध्यापकों, ग्राम प्रधानों और स्थानीय निकाय सदस्यों के लिए एक संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धनौरा विधायक राजीव तरारा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी गजरौला, आरती गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एआरपी आदेश कुमार ने संभाला। बता दें कि इस कार्यक्रम के अवसर पर कम्पोजिट स्कूल गजरौला, प्राथमिक विद्यालय खानपुर, प्राथमिक विद्यालय कुमराला और प्राथमिक विद्यालय पखरौला के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कम्पोजिट सिहाली जागीर के शिक्षकों, बेबी गीता, पूजा, ज्योति और अनुजा ने टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) मेले का आयोजन किया।विधायक राजीव तरारा ने बच्चों की प्रस्तुतियों से प्रसन्न होकर प्रत्येक बच्चे को 501 रुपये की नकद धनराशि प्रदान की। उन्होंने बच्चों को मेडल पहनाकर सम्मानित भी किया।डॉ. जितेंद्र कुमार, एसआरजी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निपुण परीक्षा के परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। गजरौला ब्लॉक के जनपद में प्रथम स्थान पर आने पर विधायक ने समस्त एआरपी, एसआरजी और खंड शिक्षा अधिकारी की सराहना की।इस अवसर पर सतपाल सिंह पाल (मंडल अध्यक्ष भाजपा), रणवीर सिंह, डॉ. जितेंद्र कुमार (एसआरजी), जोगिंदर सिंह, जयवीर सिंह, दीपक कुमार (एआरपी), नफीस अहमद (एआरपी), अरविंद कुमार (एआरपी) और सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

# मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत प्रथम जनपद स्तरीय अंतर-विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के संबंध में सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा और दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। अन्य विभाग अपने-अपने विभागीय माइक्रो प्लान तैयार करके तदनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग तथा पशुपालन विभाग से अपेक्षा की

गई कि वे नालियों की सफाई, जल भराव की रोकथाम आदि विषयों में आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही शिक्षा विभाग के माध्यम से स्कूलों में बच्चों को पूर्ण आस्तीन वाले कपड़े पहनकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा संचारी रोगों से बचाव के संबंध में सुबह की प्रार्थना सभा में नियमित जागरूकता फैलाई जाए। आगामी हीट वेव को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को क्या करें और क्या न करें के विषय में विस्तार से जागरूक किया गया तथा इसके लिए विकसित पैंफ्लेट का वितरण करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी रोगों पर नियंत्रण अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु बेहतर अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने डेंगू और अन्य वेक्टर बोर्न बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा आमजन को साफ सफाई और बचाव के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु बनने वाले माइक्रोप्लान को 28 मार्च तक बनाते हुए उपलब्ध कराने के निर्देश दिय। नगरीय एवं देहाती क्षेत्रों में सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एके भंडारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, यूनिसेफ के प्रतिनिधि, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट तथा अन्य चिकित्सा अधिकारीगण और संबंधित विभागों के अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया।

# प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री जरूर:- डॉ रामप्रवेश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग पूरी तरह से कटिबद्ध है। उप कृषि निदेशक डॉक्टर रामप्रवेश ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री को ‟गोल्डन कार्ड‟ भी कहा जाता है। इसमें किसानों की जमीन को आधार कार्ड से लिंक किया जाता है, जिसके बाद भूमि का पूरा विवरण डिजिटल रूप में एक कागज पर आ जाता है। इस डिजिटल रजिस्ट्री का बड़ा फायदा यह है कि किसानों को खाद, बीज या अन्य सब्सिडी वाली सामग्री लेने के लिए अब खतौनी या पुराने कागजात ले जाने की जरूरत नहीं पड़ती। आधार और जमीन की लिंकिंग से सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन और आसान हो गई हैं। जिले में फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों

की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी भी कई किसान इससे वंचित हैं। विभाग ने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा लें, ताकि पीएम किसान सम्मान निधि की किस्तें समय पर उनके बैंक खाते में आ सकें और अन्य योजनाओं का भी निर्बाध लाभ मिल सके।

# निपुण चैंपियन मेला,बच्चों ने संभाली पूरी जिम्मेदारी, प्रस्तुत की शानदार प्रतिभा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पीएमश्री उच्च प्राथमिक विद्यालय, विकासखंड बहजोई के गांव धुरैटा में निपुण चैंपियन मेला एवं लेगेसी ट्रांसफर समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से इन्वॉल्व लर्निंग सॉल्यूशन फाउंडेशन द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि इसका संपूर्ण संचालन, आयोजन, मंच संचालन एवं विभिन्न प्रस्तुतियां पूरी तरह विद्यार्थियों द्वारा ही की गईं, जिसने सभी को प्रभावित किया।

इस आयोजन में पवांसा ब्लॉक के 17 प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ जैसे समसामयिक विषयों पर आकर्षक प्रस्तुतियां देकर जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्रारंभ में इन्वॉल्व के प्रतिनिधि पुलकित दोशी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस पहल का मुख्य लक्ष्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और सहयोगात्मक अधिगम की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी पवांसा विनोद कुमार रहे। उनके साथ एआरपी संजीव कुमार, प्रह्लाद, शैलेन्द्र कुमार एवं ओमपाल सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं टीम इन्वॉल्व के सदस्य उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विनोद कुमार ने कहा कि उन्होंने पहली बार ऐसा कार्यक्रम देखा, जिसमें विद्यार्थियों ने इतने प्रभावशाली ढंग से पूरे आयोजन की जिम्मेदारी निभाई हो। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो वे नेतृत्व की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभा सकते हैं। यह आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा। निपुण चैंपियन मेला ने यह साबित किया कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जागरूकता का सशक्त मंच भी है।

# गुमशुदा महिला को मिशन शक्ति टीम ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जनपद सम्भल पुलिस लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को थाना गुन्नौर पुलिस द्वारा सराहनीय कार्यवाही की गई।

पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने थाना गुन्नौर पर पंजीकृत एक गुमशुदगी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा महिला को गुन्नौर पुलिया के पास से सकुशल बरामद कर लिया।

इस अभियान में महिला उपनिरीक्षक गुरजिंदर कौर एवं महिला कांस्टेबल नीरज की अहम भूमिका रही। बरामदगी के बाद महिला को थाने लाकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। अपनी परिजन को सकुशल पाकर महिला के पति और परिवारजनों ने खुशी जाहिर की तथा मिशन शक्ति टीम की तत्परता और कार्यकुशलता की सराहना करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

# तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष बने विभोर बंसल का सम्मान, अधिवक्ताओं ने जताया हर्ष

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- चंदौसी बार एसोसिएशन परिसर में अधिवक्ता परिषद बृज इकाई, जनपद सम्भल द्वारा टैक्स बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विभोर बंसल के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने उन्हें पटका पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया और तीसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर खुशी जताई।

बताया गया कि विभोर बंसल इससे पहले भी दो बार टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके कुशल नेतृत्व और अधिवक्ताओं के प्रति समर्पण को देखते हुए वर्ष 2026-27 के लिए उन्हें लगातार तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

कार्यक्रम में अधिवक्ता परिषद बृज इकाई के अध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा (एडवोकेट) के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर विष्णु कुमार शर्मा, दीपक राठौर, प्रवीण गुप्ता, विकास कुमार मिश्रा, सुनील सिंह, यशपाल सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में विभोर बंसल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे टैक्स बार की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उनका अनुभव और कार्यशैली टैक्स बार को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगी। कार्यक्रम का समापन एक-दूसरे को बधाई देने और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर चर्चा के साथ हुआ।

# व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में उठीं समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

सम्भल (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय सम्भल स्थित सभागार में मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले भर के व्यापारियों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

बैठक के दौरान अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के चेयरमैन गौरीशंकर चौधरी ने सड़कों के डिवाइडर पर रिफ्लेक्टर न होने से हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए रिफ्लेक्टर लगाने की मांग की। वहीं एडवोकेट कशिश कौशल ने बाजारों में लगने वाले जाम की समस्या उठाई। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हर्षित शर्मा ने युवाओं में बढ़ते नशे के चलन पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा हाजी एहतेशाम ने बाजारों में जेबकट घटनाओं को रोकने, जबकि शाह आलम मंसूरी ने चंदौसी में ई-रिक्शाओं को वन-वे करने का सुझाव दिया। वहीं सागर गुप्ता ने चंदौसी में खुले नालों के कारण हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया और व्यापारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी अजय अग्रवाल, प्रतीक गुप्ता, विकास वर्मा, पुष्कल गुप्ता, हर्ष गुप्ता, वैभव छाबड़ा, साकिर हुसैन, नाजिम सैफी, फुरकान वारसी, अशरफ सलीमार, अतीकुर्रहमान सहित व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रभारी उपनिरीक्षक यतेन्द्र कुमार एवं अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

# एस.एम. कॉलेज में सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम, विद्यार्थियों को दी योजनाओं की जानकारी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में एस.एम. कॉलेज, चंदौसी में मंगलवार को सरकारी एवं अर्ध सरकारी कार्यक्रम समिति के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार के हितकारी कदमों का मंथन और चिंतन करते हुए विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी भी दी।

मुख्य नियंता प्रो. (डॉ.) ए. पी. सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के संकल्प से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. (डॉ.) जितेंद्र कुमार ने छात्र पुलिस अनुभावनात्मक अधिगम कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य शासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सूरज शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, जबकि संचालन डॉ. विशेष कुमार पांडेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. ए. के. अस्थाना, प्रिया श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. नीरज मलिक, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, स्कंद, डॉ. भूशंकर लाल, एम. के. वर्मा सहित अन्य प्राध्यापकों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# पुलिस ने रोते मिले चार वर्षीय मासूम को सकुशल परिजनों से मिलाया

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5, द्वितीय चरण) के अंतर्गत थाना कोतवाली सम्भल पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए एक गुमशुदा बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया।

पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम क्षेत्र में पैदल गश्त कर रही थी। इसी दौरान बाजार क्षेत्र में करीब 4 वर्षीय एक बालक रोता हुआ मिला, जो लगभग एक घंटे से वहीं खड़ा था। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

मिशन शक्ति टीम बालक को थाने लेकर आई, जहां उसे बाल कक्ष में सुरक्षित बैठाया गया। पुलिसकर्मियों ने बच्चे को शांत कराया और खेलने के लिए खिलौने उपलब्ध कराए। साथ ही विभिन्न पुलिस ग्रुपों और लेपर्ड टीमों को सूचना प्रसारित कर परिजनों की तलाश शुरू की गई।

कुछ ही समय में बच्चे के परिजन थाने पहुंच गए। पूछताछ में बच्चे की पहचान जोहान पुत्र मुजीब (4), के रूप में हुई। सत्यापन के बाद बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने खुशी जाहिर करते हुए मिशन शक्ति टीम का आभार व्यक्त किया। वहीं पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

# रोडवेज बस की टक्कर से ग्रामीण की मौत

चंदौसी(संभल)। बदायूं जिले के कस्बा मुंडिया धुरेकी में दसवां संस्कार में शामिल होकर लौटते समय ग्रामीण को शहर के मुरादाबाद रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बनियाठेर थाना क्षेत्र के ग्राम गुमथल निवासी रामगोपाल उर्फ सूखे (50) सोमवार को बदायूं जिले के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र में कस्बा मुंडिया धुरेकी में अपने ममेरे साले के दसवां संस्कार में शामिल होने गए थे। यहां से शाम को वह रोडवेज बस से आए और बदायूं चुंगी तिराहे पर बस से उतरकर गांव जाने के लिए पैदल ही चल दिए। रामगोपाल के भाई पप्पू ने बताया कि वह शाम करीब 5:30 बजे मुरादाबाद रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे कि रोडवेज बस ने उन्हें टक्कर मार दी।उन्हें सामने ही स्थित एक अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें बाहर ले जाने की सलाह दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने रामगोपाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही पास में ही स्थित गुमथल गांव से मृतक के परिवार वाले भी पहुंच गए। मौत की जानकारी होते ही परिवार की लोगों ने अस्पताल में विलाप शुरू कर दिया।

इधर पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद उसे मोर्चरी में रखवा दिया।

# संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग तेज

चंदौसी। स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ की एक बैठक सोमवार को मोहल्ला सीकरी गेट स्थित अनिल राधे गुड्डू के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर नाराजगी जताते हुए मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष मानिक लाल नागर ने कहा कि अगर प्रदेश सरकार 20 अप्रैल तक निकायों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को स्थायी नहीं करती, आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए मानदेय 20 हजार रुपये का विभागीय आदेश जारी नहीं होता और बढ़ती आबादी के अनुसार नई भर्तियां नहीं की जातीं, तो एक मई मजदूर दिवस से पूरे प्रदेश में आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन की ओर से लगातार कौम जगाओ, संविदा स्थायी करो, निजीकरण समाप्त करो जैसे अभियानों को चलाया जा रहा है। इसके तहत जनजागरण कार्यक्रमों के माध्यम से कर्मचारियों को जागरूक किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अब सफाई कर्मचारियों ने आंदोलन का मन बना लिया है और जरूरत पड़ी तो लखनऊ में भी प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश संगठन मंत्री शिव कुमार राही, जिलाध्यक्ष अजय कुमार राजवर, सेठ जय कमल, अजय चौहान, कैलाश चंद चटवाल, राजू अनजान, विशाल वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

# वर्ल्ड टीबी डे के अवसर पर निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- वर्ल्ड टीबी डे के अवसर पर जनपद के बहजोई बस स्टैंड पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आंजनेय कुमार सिंह (आयुक्त, मुरादाबाद मंडल) रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने की।

कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त पंचायत सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें आयुक्त द्वारा 37 ग्राम प्रधानों को गांधी जी की प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं डॉ. तरुण पाठक द्वारा 25 टीबी रोगियों को निक्षय पोषण पोटली वितरित की गई, जिससे उनके पोषण और उपचार में सहायता मिल सके।

कार्यक्रम में आयुक्त ने निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जनपद में टीबी की सक्रिय खोज और जागरूकता अभियान को गति देगा।

इस अवसर पर अधिकारियों ने टीबी के लक्षण, बचाव और पूर्ण उपचार के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए आमजन से समय पर जांच और इलाज कराने की अपील की। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ भी किया गया, जिसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में टीबी मरीजों की पहचान कर समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने जनभागीदारी के माध्यम से टीबी उन्मूलन का संकल्प लिया।

# नगर हिंदू सभा की कार्यकारिणी का विस्तार, 51 को मिली जिम्मेदारी

संभल। शहर के अनेक धार्मिक कार्यक्रमों, आयोजनों आदि को संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाने वाली नगर हिंदू सभा की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। सोमवार को नगर के आर्य समाज में आयोजित बैठक में नगर हिंदू सभा के अध्यक्ष कमलकांत तिवारी ने 51 सदस्यीय कार्यकारिणी की घोषणा की।

कमलकांत तिवारी ने बताया कि नगर हिंदू सभा की प्रत्येक माह बैठक हुआ करेगी और किसी भी गतिविधि करने से पूर्व अंतिम निर्णय निर्णायक मंडल मार्गदर्शक मंडल किया करेगा। सभी मनोनीत सदस्यों ने सामूहिक संकल्प लेकर देश धर्म और समाज हित में उत्तम कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।डॉ. यूसी सक्सेना ने कहा कि नगर हिंदू सभा ने पहली बार बड़ी कमेटी घोषित करके उल्लेखनीय और सराहनीय कार्य किया है।

अध्यक्षता डॉ.यूसी सक्सेना ने की। संचालन रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अनंत कुमार अग्रवाल ने किया।

## परमिशन के नाम पर अवैध खनन का बड़ा खेल, प्रशासन की मिलीभगत का आरोप

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावर क्षेत्र में अवैध खनन का एक बड़ा खेल चल रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और अवैध खनन का धंधा फल-फूल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खनन माफिया परमिशन के नाम पर कुछ खेतों में मिट्टी निकालने की अनुमति लेते हैं, लेकिन वास्तविक मिट्टी निकासी कहीं और के खेतों या इलाकों से करते हैं। वे मानकों का पूरी तरह पालन नहीं करते। खेतों में जेसीबी मशीनों या खचेड़ा मशीन से गहरे गड्ढे खोदकर मिट्टी निकालते हैं और इसे मिट्टी भराव के नाम पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाते हैं। आरोप है कि यह सब शासन-प्रशासन की मिलीभगत से खुलेआम हो रहा है। दयालवाला इलाके में भी इसी तरह की गतिविधियां कुछ समय से देखी जा रही हैं, जहां परमिशन के बहाने नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। स्थानीय लोग इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि आखिर ऐसे ही अवैध खनन का खेल कब तक जारी रहेगा? प्रशासन आखिर कब कार्रवाई करेगा या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा।

## नांगल सोती में शहीद मेले का भव्य समापन, मशाल जुलूस और संकल्प सभा में उमड़ा जनसैलाब

नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):- नौजवान भारत सभा और स्त्री मुक्ति लीग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शहीद मेले के तीसरे एवं अंतिम दिन नांगल सोती में जोशीले नारों के बीच विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। इसके बाद संकल्प सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। मशाल जुलूस के दौरान भगतसिंह तुम ज़िंदा हो, हम सबके संकल्पों में और भगतसिंह का जो ख़्वाब अधूरा, इसी सदी में होगा पूराह्व जैसे गगनभेदी नारे लगाए गए। जुलूस के समापन पर आयोजित संकल्प सभा में युवाओं को सच्चाई, न्याय और ईमानदारी के मार्ग पर चलने तथा जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट संघर्ष करने की शपथ दिलाई गई। सभा को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी हेमेंद्र सिंह ने कहा कि शहीदों की शहादत का दिन शोक का नहीं, बल्कि गर्व का दिन है। यह दिन साहस, दृढ़ता और बलिदान की भावना को जागृत करता है, जिससे हम उनके सपनों का भारत बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। कविता कृष्णपल्लवी ने अपने संबोधन में कहा कि भगतसिंह जिस समतामूलक समाज की कल्पना करते थे, उसे साकार करने की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी पर है। उन्होंने कहा कि देश की मिट्टी क्रांतिकारियों को जन्म देने में सक्षम है और युवा अपने शहीदों के सपनों का भारत अवश्य बनाएंगे।
नौजवान भारत सभा के प्रदीप गोस्वामी ने भी सभा को संबोधित करते हुए युवाओं से सामाजिक बदलाव की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।
इस दौरान आयोजित मशाल जुलूस में चौधरी हेमेंद्र सिंह, अपूर्व मालवीय, कविता कृष्णपल्लवी, गीतिका, रामाधार, शिवा, गणेश कुमार, राजू, आशीष, मुकेश, गिरीश, संजीत, राकेश, मोती सहित बड़ी संख्या में युवाओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम के समापन पर प्रसिद्ध कलाकार चार्ली चैप्लिन की फिल्म 'द मॉर्डन टाइम्स' का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

## फ्री मजदूरी से इनकार करने पर युवक पर हमला

मंडावली /बिजनौर (सब का सपना) थाना क्षेत्र मंडावली के अंतर्गत कुछ युवकों के समूह ने एक युवक को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित सहजाद पुत्र सफीक, निवासी ग्राम मुजाहिदा पट्टी भागूवाला ने आरोप लगाया है कि आरोपी युवक उससे लंबे समय से जबरन मुफ्त में मजदूरी कराते थे। जब उसने इस बार मजदूरी करने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने युवक को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

## पुलिस ने एक महिला को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ किया गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा पुलिस ने एक महिला को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से करीब 1.780 किलोग्राम गांजा पत्ती बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ता की पहचान हुसन जहां पत्नी फरियाद, निवासी ग्राम सदाफल, थाना स्योहारा के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर कार्रवाई करते हुए महिला को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीला पदार्थ बरामद हुआ।
इस संबंध में थाना स्योहारा पर एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी महिला के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस प्रकार के अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई में थाना स्योहारा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक उमेश चंद, महिला उपनिरीक्षक काजल तेवतिया सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

## बैराज रोड पर शॉर्ट सर्किट, हादसा टला

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के बैराज रोड क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें उठते ही आसपास के लोग दहशत में आ गए और मौके पर भीड़ जमा हो गई।
बताया जा रहा है कि घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल संबंधित लाइन की सप्लाई बंद कर दी, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। इसके बाद विभागीय कर्मचारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, स्थानीय लोगों ने विद्युत व्यवस्था की नियमित जांच और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

## जल निगम परियोजना में बाधा डालने पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

धामपुर (सब का सपना):- क्षेत्र में संचालित जल निगम परियोजना के कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के मामले में कोतवाली धामपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला उस समय प्रकाश में आया जब पीड़ित बिजेन्द्र कौशिक, वरिष्ठ महाप्रबंधक, विंध्य टेलीलिंक्स लिमिटेड एवं गाजा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (संयुक्त उपक्रम) के प्रतिनिधि के रूप में शिकायत दर्ज कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त संस्था द्वारा जल निगम परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान में चक मोहम्मद नगर (डिट्टनपुर), नुरुल्लापुर उदयचंद (नुरुल्लापुर), छजमलवाला, जाफर हुसैनपुर एवं यूसुफपुर, अलेहपुर तथा चक शाहजानी (ग्राम अड्डा क्षेत्र) में कार्य प्रगति पर है। इन गांवों में पेयजल से संबंधित आधारभूत संरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से परियोजना संचालित की जा रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अबुल नज़िश पुत्र शकील अहमद अंसारी, निवासी नई सराय, कालागढ़ रोड, धामपुर, बार-बार कार्य स्थल पर पहुंचकर बिना किसी वैध कारण के काम में बाधा उत्पन्न कर रहा है। बताया गया कि आरोपी द्वारा मजदूरों और अधिकारियों को कार्य करने से रोका जाता है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। इस तरह की हरकतों के कारण परियोजना की समयसीमा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए धामपुर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## जिलाधिकारी ने EVM और VVPAT वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में एश्ट और VVPAT वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी और पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधानसभा वार प्रत्येक वेयर हाउस को खोल कर देखा गया और सीलिंग की कार्रवाई की गई। और सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के पदाधिकारियों के सामने नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, एसओसी चकबंदी सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

## बीआरसी बगवाड़ा में शिक्षकों को विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का दिया गया प्रशिक्षण

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक बुढ़नपुर स्योहारा के बीआरसी बगवाड़ा पर शिक्षकों के लिए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने की, जिसमें क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए।
प्रशिक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाया जाएगा, जबकि दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित होगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान वर्ष में तीन बार–अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में चलाया जाता है, जिसकी साप्ताहिक समीक्षा जिलाधिकारी द्वारा की जाती है। डॉ. स्नेही ने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे अभिभावकों और विद्यार्थियों को वेक्टर जनित रोगों, दिमागी बुखार, जल जनित रोगों तथा मौसम जनित बीमारियों के प्रति जागरूक करें। साथ ही सुरक्षित पेयजल, शौचालय के प्रयोग, हाथ धोने की आदत, पानी को उबालकर पीने तथा खुले में शौच से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दें। बुखार के प्रति सजगता बरतते हुए अनुपस्थित बच्चों की सूचना तत्काल स्वास्थ्य केंद्र को देने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिता, वाद-विवाद, क्विज एवं निबंध लेखन जैसी गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकों में भी इन विषयों पर चर्चा करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में सीएचसी स्योहारा से हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, वीर सिंह, डॉ. राकेश कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के नोडल अध्यापक उपस्थित रहे।

## नवनिर्माण के 9 वर्ष : संकल्प से सिद्धि तक सुरक्षा-सुशासन-समृद्धि के तहत हसनपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संकल्प से सिद्धि सुरक्षा सुशासन समृद्धि थीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास एवं सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत विकास खंड हसनपुर में स्थित एक बैंक्वेट हॉल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विधायक ने सरकार के नवनिर्माण के 09 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सूचना विभाग द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अवलोकन किया तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबी, आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को कार्ड, उर्द व मूंग की मिनी किट सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण/ स्वीकृति पत्र वितरित किए। प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम में विकास प्रगति पर आधारित लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। सूचना विभाग में पंजीकृत कलाकारों द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी गई। इसके साथ स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी प्रस्तुत दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने ह्लनवनिर्माण के 9 वर्षह्व के अंतर्गत प्रदेश में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। विधायक, हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों के हित में कार्य कर रही है। सरकार बनने के बाद सर्वप्रथम किसानों की ऋण माफी योजना के अंतर्गत किसानों के ऋण माफ किए गए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। बिजली घरों का निर्माण किया जा रहा है, सड़कें गड्ढा मुक्त कराई गई हैं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़कें बनाई गईं और उनका चौड़ीकरण किया गया। जर्जर विद्यालयों का कायाकल्प किया गया। उन्होंने कहा कि किसान भाइयों के ट्यूबवेल की बिजली बिल माफ कर लाभ दिया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी कर किसान भाइयों को लाभान्वित किया गया है। ओडीओपी पूरे उत्तर प्रदेश में लागू है, जिससे हर जनपद के उत्पाद को नई पहचान मिली है। आज प्रदेश अपराध मुक्त हुआ है, जनपद अपराध मुक्त हुआ है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अभूतपूर्ण विकास हुआ है। आज बेटी सुरक्षित है, किसान सुरक्षित है और व्यापारी सुरक्षित है।
जिला महामंत्री भाजपा शअभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर और अध्यक्ष नगर पालिका हसनपुर राजपाल सैनी ने भी सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रदेश सरकार की 09 वर्षों की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।
इस अवसर पर जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर, अध्यक्ष नगर पालिका हसनपुर राजपाल सैनी, सदस्य क्षेत्र पंचायत देवेंद्र खड़गवंशी, मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष हसनपुर अतुल गर्ग, राजू राणा, संजय शर्मा, अंकुर अग्रवाल जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, बीडीओ, ईओ, पार्टी पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

## मिशन शक्ति स्कूटी रैली, महिला पुलिसकर्मियों ने दिया सुरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश

अमरोहा(सब का सपना):- चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्यमिशन शक्ति अभियान (फेज-5, द्वितीय चरण) के अंतर्गत भव्य जागरूकता स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में आयोजित इस रैली को पुलिस कार्यालय अमरोहा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में 50 स्कूटी सहित 100 से अधिक महिला पुलिसकर्मियों ने भाग लिया, साथ ही यूपी-112 की दोपहिया एवं चारपहिया वाहन भी शामिल रहे।
यह रैली पुलिस कार्यालय से प्रारंभ होकर रीगल 77 तक निकाली गई, जिसमें जनपद के विभिन्न थानों पर नियुक्त मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी अपनी टीम के साथ सक्रिय रूप से शामिल हुए। महिला उपनिरीक्षक और महिला आरक्षियों ने स्कूटी चलाकर महिला सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश दिया।
रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।
पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने निर्देश दिए कि मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़े और वे सुरक्षित वातावरण में अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें।
इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नौगांव सादात, महिला पुलिसकर्मी एवं यूपी-112 की टीम मौजूद रही।
अमरोहा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि महिला सुरक्षा एवं सम्मान के इस अभियान में सहभागी बनकर सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

# नाबालिगा से दुष्कर्म केस में कोर्ट का बड़ा फैसला, 9 दोषियों को कड़ी सजा, जुमार्ना भी ठोका

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में नाबालिग से जुड़े एक गंभीर आपराधिक मामले में अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुनाया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2020 में दर्ज हुए अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और मानव तस्करी से जुड़े मामले में 9 आरोपियों को दोषी करार देते हुए अलग-अलग सजाएं सुनाई हैं। पुलिस के अनुसार, सदर थाना थानेसर क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय किशोरी 27 जनवरी 2020 को घर से दादी के पास जाने के लिए निकली थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। करीब चार महीने बाद पुलिस ने किशोरी को बरामद किया। जांच और मेडिकल रिपोर्ट में उसके साथ गंभीर अपराध होने की पुष्टि हुई। आगे की जांच में यह सामने आया कि आरोपियों ने उसका अपहरण कर कई जगहों पर ले जाया और बाद में उसे एक महिला के माध्यम से जबरन अवैध गतिविधियों में धकेल दिया। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में चली और लगभग 6 साल बाद अदालत ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने कुछ दोषियों को 20-20 साल की सजा, कुछ को आजीवन कारावास और अन्य को 14-14 साल की सजा सुनाई है। साथ ही सभी पर जुमार्ना भी लगाया गया है। यह फैसला ऐसे गंभीर मामलों में न्याय प्रक्रिया की अहमियत को दशार्ता है और पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# हरियाणा की बेटी इप्सिता की बर्न इट डाउन गूंज बनी नारी शक्ति की पहचान, गाने में लैंगिक असमानता पर कड़ा प्रहार

चंडीगढ़ : रैपर बादशाह अपने विवादित टटीरी गीत को लेकर महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने के आरोपों में घिरे हुए हैं, वहीं हरियाणा के पंचकूला की बेटी गीतकार और कलाकार इप्सिता का ह्यबर्न इट डाउन गाना नारी सशक्तिकरण की मिसाल बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लांच हुआ बर्न इट डाउन गाना सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहा है। अब तक दो सप्ताह में गाने को यू-ट्यूब पर 2.3 मिलियन देखा गया है तो 52 हजार से ज्यादा लाइक मिले हैं। गाने में लैंगिक असमानता पर कड़ा प्रहार किया गया है। फिलहाल गाना यू ट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम पर ट्रेंडिंग में चल रहा है। प्रतिस्पर्धा के दौरे में कलाकारों की आपत्तिजनक प्रस्तुतियां सवालों के घेरे में आ रही हैं तो बर्न इट डाउन गाने ने समाज को दिशा देने के साथ बदलाव की सार्थकता को बढ़ाया है। बर्न इट डाउन की गीतकार इप्सिता ने संगीत और सिनेमाई कहानी में सीधे तौर पर पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं पर कड़ा प्रहार किया है। गाने में दिखाया गया है कि किस प्रकार महिलाओं के जीवन को पुरुष प्रधान व्यवस्था कम उम्र से ही प्रभावित करती रहती हैं। गाने के माध्यम से लैंगिक असमानता के मुद्दे का प्रस्तुतीकरण समाज को झकझोरने वाला है। महिलाओं की आवाज को बुलंद करते गीत के बोल

मौजूदा समय में चंडीगढ़ के सेक्टर-7 में रह रही इप्सिता बताती हैं कि गीत में दिखाया गया है कि महिलाओं पर थोपी गई पिंजरों, पर्दों और अपेक्षाओं की कहानी एक विद्रोह तक पहुंचती है। इसमें फिल्माया गया है कि "अब मुझे इसे जलाते हुए देखो। इप्सिता ने अपने गाने के जरिये उन महिलाओं को श्रद्धांजलि दी है, जिन्होंने शांत संघर्ष किया है, जिनका कहीं वर्णन नहीं है, जो बिना किसी प्रसिद्धि के पूरी दुनिया का बोझ अपने कंधों पर उठाती हैं। इसी भावना के साथ, बर्न इट डाउन न केवल प्रत्यक्ष उत्पीड़न का विरोध करने वाली महिलाओं को समर्पित है, बल्कि उन महिलाओं को भी समर्पित है जो अदृश्य बोझ से जूझ रही हैं, वे महिलाएं जिनका श्रम, दर्द और सहनशीलता अक्सर अनदेखी रह जाती है। वीडियो में चौंकाने वाले आंकड़ेविश्व भर में 73.6 करोड़ महिलाओं ने शारीरिक या यौन हिंसा का सामना किया है। वैश्विक स्तर पर 13 करोड़ लड़कियां स्कूल से बाहर हैं। महिलाएं वैश्विक स्तर पर 75 प्रतिशत अवैतनिक देखभाल और घरेलू कार्य करती हैं। अर्थव्यवस्थाओं को सहारा देने के बावजूद, इस कार्य की गिनती शायद ही कभी की जाती है और इसके लिए कभी भुगतान नहीं किया जाता। इप्सिता गायिका-गीतकार और अभिनेत्री हैं, जिनका काम पॉप, प्रदर्शन और सामाजिक टिप्पणी के संगम पर आधारित है। येल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान में छात्रवृत्ति के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। प्रदर्शन कला में उनके योगदान के लिए वी. ब्राउन आयरिश पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से व्यवहार विज्ञान में एमएससी की उपाधि प्राप्त की। संगीत और फिल्म को पूर्णकालिक रूप से अपनाने से पहले, इप्सिता ने यूनिसेफ, गेट्स फाउंडेशन और विश्व बैंक सहित संगठनों के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यवहार परिवर्तन के क्षेत्र में काम किया।

## हरियाणा में पंचायती जमीन पर रास्तों के नियम होंगे सख्त,सरकार की पैनी नजर

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती भूमि (शामलात देह) के प्रबंधन को लेकर एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अब गांवों में पंचायती जमीन पर रास्ता बनाने या उसका निजी उपयोग करने के नियम पहले से कहीं अधिक कड़े कर दिए गए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य पंचायतों की संपत्ति की रक्षा करना और अवैध कब्जों पर लगाम लगाना है। नए नियमों के अनुसार, यदि कोई बिल्डर, निजी कंपनी या व्यक्ति अपने प्रोजेक्ट के लिए पंचायती भूमि से रास्ता मांगता है, तो उसे एक लंबी और पारदर्शी प्रक्रिया से गुजरना होगा। अब केवल सरपंच या चुनिंदा पंचों की सहमति काफी नहीं होगी। पूरे गांव की ग्राम सभा में प्रस्ताव पास होना अनिवार्य है। पंचायत के कम से कम तीन-चौथाई सदस्यों का समर्थन होने पर ही रास्ता देने की फाइल आगे बढ़ेगी। जमीन के बदले पंचायत को बाजार दर या निर्धारित कलेक्टर रेट के अनुसार भारी शुल्क चुकाना होगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि सार्वजनिक रास्तों, फिरनी (गांव की बाहरी सड़क) और तालाबों की जमीन पर किए गए किसी भी निर्माण को नियमित (Regularize) नहीं किया जाएगा। डिजिटल मैपिंग और ड्रोन सर्वे के जरिए उन रास्तों की पहचान की जा रही है जिन पर रसूखदार लोगों या स्थानीय निवासियों ने दीवारें खड़ी कर कब्जा कर लिया है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे रास्तों को तुरंत खाली कराया जाए। हरियाणा सरकार की 'मुख्यमंत्री शहरी/ग्रामीण आवास योजना' के तहत 20 साल से पुराने मकानों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन यहाँ भी नियमों को कड़ा रखा गया है। यदि कोई मकान सार्वजनिक रास्ते को रोक रहा है, तो उसे मालिकाना हक नहीं दिया जाएगा। जल निकासी (Drainage) और फिरनी की जमीन पर बने निमार्णों को किसी भी सूरत में छूट नहीं मिलेगी।क्यों पड़ी इन कड़े नियमों की जरूरत? पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि गांवों के आसपास विकसित हो रहे निजी फार्महाउसों और कॉलोनियों के लिए पंचायती जमीन का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा था। इससे न केवल पंचायतों को आर्थिक नुकसान हो रहा था, बल्कि गांवों का आपसी भाईचारा और बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हो रहा था।

## हजारों मरीजों के लिए बुरी खबर , हरियाणा के इन जिलों के सरकारी अस्पताल में दिल का इलाज बंद

रियाणा : हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में दिल की बीमारियों का इलाज करा रहे हजारों मरीजों के लिए बुरी खबर है। प्रदेश के चार प्रमुख जिलों गुरुग्राम, पंचकूला, अंबाला और फरीदाबाद के नागरिक अस्पतालों में चल रहे हार्ट सेंटरों ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों का कैशलेस इलाज करने से साफ मना कर दिया है। यह संकट पीपीपी मोड पर चल रहे इन केंद्रों और राज्य सरकार के बीच भुगतान को लेकर पैदा हुआ है। इन सेंटरों का संचालन करने वाली निजी कंपनी, मेडिट्रिना ग्रुप, का दावा है कि स्वास्थ्य विभाग पर उनका लगभग 31 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) बकाया है। कंपनी का कहना है कि लंबे समय से भुगतान न होने के कारण उनके लिए दवाइयों, स्टेंट और स्टाफ के खर्चों को वहन करना मुश्किल हो गया है। विशेष रूप से गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में यह सुविधा पिछले 9 महीनों से बाधित है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भुगतान न होने के पीछे कुछ तकनीकी और प्रशासनिक कारण हैं। विभाग के अनुसार, एक अस्पताल परिसर में केवल एक ही आयुष्मान आईडी हो सकती है। निजी कंपनी अपने लिए अलग आईडी की मांग कर रही थी, जिससे सिस्टम में दिक्कतें आईं। ताजा जानकारी के अनुसार, 19 मार्च 2026 को महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं ने एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है जो इस पूरे मामले और बिलों की विसंगतियों की जांच करेगी। इस गतिरोध का सबसे बुरा असर गरीब मरीजों पर पड़ रहा है। जो इलाज आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त होता था, अब उसके लिए मरीजों को निजी अस्पतालों में 60,000 से 1,00,000 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। मरीजों को अब चंडीगढ़ PGI या दिल्ली के अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है, जहाँ पहले से ही भारी भीड़ है।

## फरीदाबाद के डबुआ में 3 युवकों को बेदर्दी से पीटा, 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद : फरीदाबाद में डबुआ थाना क्षेत्र गांव बाजडी में आपसी कहासुनी को लेकर हुए विवाद में तीन युवकों को कुछ युवकों ने डंडो से जमकर पीटा गया। मारपीट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के द्वारा पीडित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गांव बाजडी के रहने वाले विकास त्यागी ने डबुआ थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि, उसके भतीजे देव उर्फ रामजीलाल का गांव के ही रहने वाले गोलू के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान गोलू को पीट दिया गया था। इसी की रंजिश को लेकर 15 मार्च गोलू ने अपने साथियों के साथ खेतों पर अपने साथियों के साथ डंडे लेकर पहुंचा। जहां पर सभी ने उसके बेटे तूषार, भतीजे अंशूल और और उसके साथी अभिषेक साथ डंडो से मारपीट की। जिसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। इस मारपीट का एक वीडियों भी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ युवक हाथों मे डंडे लेकर आते है और एक युवक के साथ मारपीट करते है। इस दौरान आस-पास काफी भीड़ जमा हो जाती है। इसके बाद भी युवक और उसके दोस्तों को लगातार पीटा जा रहा है। थाना इंचार्ज संग्राम सिंह ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी स्कूली बच्चे है। दोनों पार्टियों का आपस में पहले भी झगड़ा हो चुका है। इसी के चलते ये रंजिश बनी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# देश को पहली मिक्सी देने वाला उद्योग संकट में, युद्ध और महंगाई ने तोड़ी कमर

अंबाला : वही शहर जिसने देश को पहली मिक्सी दी। वही शहर जिसकी पहचान रसोई के इस जरूरी उपकरण से जुड़ी है, आज खुद अपनी साख बचाने की जद्दोजहद कर रहा है। अंबाला का मिक्सी उद्योग, जो न केवल भारत बल्कि दुबई, कतर और अफ्रीकी देशों तक अपनी चमक बिखेरता था, आज वैश्विक युद्ध और महंगाई के दोहरे प्रहार से कराह रहा है। रसोई में हर दिन चलने वाली और विदेश तक अंबाला का नाम पहुंचाने वाली मिक्सी पश्चिमी देशों में युद्ध के कारण संकट में है। यही शहर है, जिसने देश को पहली मिक्सी दी। अब यही उद्योग कच्चे माल की महंगाई और वैश्विक हालात के दबाव में हांफता नजर आ रहा है। करीब 200 छोटी-बड़ी इकाइयां मिक्सी, जूसर, ग्राइंडर और चापर बनाती हैं। इनके साथ जिले के 150 से ज्यादा ट्रेडर्स जुड़े हैं और सालाना कारोबार करीब 250 करोड़ रुपये तक पहुंचता है। इससे करीब 15 हजार परिवारों की रोजी-रोटी सीधी जुड़ी है। युद्ध लंबा चला तो इनका सभी पर और अधिक संकट आना तय है। यहां निर्मित मिक्सी न केवल प्रदेश और देश, बल्कि विदेश तक जाती है। कच्चे माल के रेट लगभग दोगुने होने से 15 प्रतिशत तक रेट में बढ़ाने पड़े हैं। कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है। निर्यात प्रभावित हुआ है। यहां की

मिक्सी युगांडा, दुबई और कतर समेत कई देशों में भेजी जाती है। अफ्रीकी देशों में भी यहीं से सप्लाई होती है।मौजूदा हालात में निर्यात प्रभावित हो गया है। इससे कारोबारियों के सामने दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। लागत बढ़ रही है, दूसरी तरफ बाजार सिकुड़ रहा है। इस धंधे से जुड़े लोगों का कहना है उन्हें ऑर्डर मिलने बंद हो गए हैं रेट में बहुत वेरिएशन है। महंगा माल कोई भी खरीदने को तैयार नही है। लेबर के लिए भी दिक्कतें बढ़ रही है। व्यापारियों ने कहा कि अंबाला के इस गौरवशाली उद्योग को अब केवल सरकारी हस्तक्षेप और बाजार की स्थिरता का ही सहारा है। अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो वो शोर जो कभी अंबाला की आर्थिक मजबूती का प्रतीक था, हमेशा के लिए खामोश हो सकता है।

## पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे दिव्यांग क्रिकेट टीम कोच दीपक कंबोज, बोले- मेरा एक सपना बदलेगा लाखों जिंदगियां

हरियाणा : भारतीय दिव्यांग क्रिकेट को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले प्रख्यात कोच दीपक कंबोज इन दिनों अपनी एक खास मुहिम को लेकर चर्चा में हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के मार्गदर्शक दीपक कंबोज ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की इच्छा जताई है। उनका मानना है कि यह मुलाकात न केवल उनके लिए, बल्कि देश के लाखों दिव्यांगजनों और युवाओं के लिए प्रेरणा का नया अध्याय लिखेगी। हाल ही में एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल इंडिया टीवी के एक प्रोग्राम में कंबोज ने अपने जीवन के एक 'महास्वप्न' का खुलासा किया। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि वे जल्द ही एक ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, जो उनकी जीवन यात्रा में एक बड़ा 'यू-टर्न' साबित होगा। दिलचस्प बात यह है कि इस मिशन का प्रभाव केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका व्यापक असर फिल्म जगत (बॉलीवुड) में भी देखने को मिलेगा। दीपक कंबोज ने कहा कि मैं एक ऐसे मिशन पर काम कर रहा हूँ जिसकी सराहना न केवल माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बल्कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी करेंगे। और

आपको बता दें कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कोच दीपक कंबोज को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने पर सम्मानित करते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं भी दी है कंबोज का यह कदम दिव्यांगता को देखने का नजरिया बदल देगा। गुमनाम संघर्ष से वैश्विक पहचान तकखेल जगत में अक्सर जीत का श्रेय खिलाड़ियों को मिलता है, लेकिन दीपक कंबोज उस पर्दे के पीछे के नायक हैं जिन्होंने शारीरिक चुनौतियों को मात देकर खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया है। उनके मार्गदर्शन में कई ऐसे क्रिकेटरों ने भारत का परचम लहराया है जिन्होंने अपनी अक्षमताओं को अपनी ताकत बनाया। बिना किसी बड़े आर्थिक सहयोग के, गुमनामी के अंधेरे से निकलकर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट के इतिहास में अपनी मजबूत पहचान बनाना कंबोज के लिए आसान नहीं था। एक कोच के रूप में उनका सफर जिद, जुनून और अटूट समर्पण की जीती-जागती मिसाल है। अब देखना यह होगा कि प्रधानमंत्री कार्यालय से उन्हें कब बुलावा आता है और उनका यह "गुप्त मिशन" देश के सामने क्या नया बदलाव लेकर आता है।

## हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल : इस जिले में स्टाफ की कमी ने बढ़ाई मुश्किलें

यमुनानगर : हरियाणा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति एक बार फिर सामने आई है। यमुनानगर में जिला कांग्रेस कमेटी ने आरटीआई के जरिए सरकारी अस्पतालों में स्टाफ की भारी कमी का खुलासा किया है। आंकड़े चौंकाने वाले हैं, जो यह दिखाते हैं कि मरीजों को किस तरह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यमुनानगर के सिविल अस्पताल से आरटीआई के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े जिला अस्पताल में स्थायी सीएमओ तक तैनात नहीं है और यह पद अतिरिक्त जिम्मेदारी के रूप में संभाला जा रहा है। सीनियर मेडिकल ऑफिसर्स की बात करें तो कुल 17 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 9 पद खाली हैं और केवल 8 डॉक्टर ही कार्यरत हैं। वहीं मेडिकल ऑफिसर्स के 192 पदों में से 93 पद खाली पड़े हैं। इसका सीधा असर ओपीडी सेवाओं पर पड़ रहा है, जहां मरीजों को लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता है।नर्सिंग स्टाफ की स्थिति भी कुछ बेहतर नहीं है। सीनियर नर्स के 24 पदों में से 12 खाली हैं, जबकि नर्सिंग सपोर्ट स्टाफ के 234 पदों में से 103 पद रिक्त हैं। इसके अलावा लैब टेक्नीशियन के 61 पदों में से 29 खाली हैं, जिससे जांच कार्य प्रभावित हो रहा है। फामेर्सी में 53 में से 36 पद खाली हैं और पब्लिक हेल्थ नर्स के सभी 8 पद रिक्त पड़े हैं। इन कमियों के चलते मरीजों को इलाज, दवाइयों और जांच के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्टाफ ही नहीं होंगे तो कैसे होगा मरीजों का इलाज : जिला

अध्यक्षशहरी कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष देवेंद्र ने बताया कि ये आंकड़े सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलते हैं। जब अस्पताल में डॉक्टर, नर्स और स्टाफ ही नहीं होंगे तो मरीजों का इलाज कैसे होगा। हम इस मुद्दे को लेकर डीसी और सिविल सर्जन से मिलेंगे, ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ी तो सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन भी करेंगे। अब देखना होगा कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाती है और कब तक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल पाती हैं।

# मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, ईंट-पत्थरों से दहला दढ़वा माजरी गांव, कई लोग घायल

यमुनानगर : यमुनानगर के गांव दढ़वा माजरी में उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए, जब ढेहा बस्ती में दो गुटों के बीच मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। छेड़छाड़ के आरोप को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मामला जब एक लड़की दुकान से सामान लेकर वापस घर जा रही थी तो उसके साथ कथित छेड़छाड़ की घटना सामने आई। जब इस घटना की जानकारी लड़की के परिजनों को मिली तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और मामला थाने तक पहुंच गया। लेकिन कई दिनों तक चले तनाव के बाद आज स्थिति अचानक बेकाबू हो गई और दोनों गुटों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। हालात इतने

बिगड़ गए कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। झगड़े के दौरान कई घरों में तोड़फोड़ हुई और कीमती सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना मिलते ही हरियाणा पुलिस की थाना सदर जगाधरी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को भी हालात काबू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। थाना प्रभारी के हाथ पर मामूली चोट आई है। एक एसआई की बाजू पर नाखून से चोट के निशान हैं। दोनों ओर से पत्थरबाजी में पुलिस के ऊपर भी पत्थर और ईंटे बरसाई गई। दोनों गुटों को शांत कराने के लिए पुलिस को कड़ी मेहनत करनी पड़ी, जिसके बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। इस घटना में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों समेत कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें सिविल हॉस्पिटल यमुनानगर में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी हुई है ताकि इस तरह की घटना दोबारा ना हो।

# टीबी मुक्त पंचायत बनी तुकार्पुर, डीसी ने दिया गोल्ड सर्टिफिकेट

गुड़गांव : डीसी अजय कुमार ने कहा कि स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार होते हैं। अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल के उद्देश्य को लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम चलाते है। उन्होंने यह बात मंगलवार को विश्व क्षय (टीबी) दिवस के अवसर पर लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में सराहनीय योगदान देने वाली जिला की विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कही। अजय कुमार ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने क्षय जैसी बीमारी की गंभीरता को समझते हुए दुनिया भर में 2030 तक इसके उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से टीबी मुक्त भारत अभियान का आह्वान किया है। पंचायती राज संस्थाओं ने जिस प्रकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत मिशन, नकल रहित परीक्षा के संचालन व अन्य सामाजिक महत्व के राष्ट्रीय अभियानों में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उसी तरह टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए आपका सहयोग आवश्यक है। डीसी ने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता में जनभागीदारी का होना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में जिला की सभी पंचायतों को इस अभियान

को सफल बनाने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार ने क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मुक्त पंचायत, निक्षय मित्र आदि जनकल्याणकारी कार्यक्रम चलाए है। साथ ही जिला में सीएसआर का सहायता से क्षय रोगियों के उपचार में सहयोग बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। इससे पहले, डीसी ने लघु सचिवालय परिसर से क्षय उन्मूलन के प्रति जागरूकता के लिए स्वास्थ्य विभाग के प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाई और सराहनीय कार्य करने वाली पंचायतों के प्रतिनिधियों को ब्रॉन्ज, सिल्वर व गोल्ड सर्टिफिकेट से सम्मानित भी किया। सिविल सर्जन डॉ लोकवीर ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में बताया कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर उपचार करवाने से यह दूसरे लोगों तक संक्रमित नहीं होती। उन्होंने बताया कि जिला में तीन साल से लगातार पटौदी खंड की तुकार्पुर में एक भी टीबी संक्रमण का केस नहीं आया। जिसके चलते तुकार्पुर ग्राम पंचायत को गोल्ड सर्टिफिकेट का सम्मान मिला है। इसी तरह पिछले दो साल से 24 पंचायत और एक साल से 71 पंचायतों टीबी का एक भी केस नहीं मिला जिसके चलते इन्हें क्रमशः सिल्वर व ब्रॉन्ज सर्टिफिकेट मिला। इस अवसर पर क्षय रोग जागरूकता की शपथ भी ली गई। डिप्टी सिविल सर्जन एवं क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. योगेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुग्राम जिला में वर्तमान समय में संवेदनशील व प्रतिरोधक श्रेणी के 6328 क्षय रोगी है। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से जिला में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाई जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डिप्टी सिविल सर्जन डा. रंजना, डा. प्रदीप कुमार, डीपीएम पूनम, डीपीसी मनीषा सहित जिला की विभिन्न पंचायतों के सरपंच व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

# लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

**नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।**

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

## गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

# जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

**एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।**

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

## क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

## पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।
पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

## योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

## रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

## आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

## प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

# अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

**एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।**

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम्‍ स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

## क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

**पर्सनल स्किल्स** - एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

**शैक्षणिक योग्यता** - इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

**संभावनाएं** - लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

**आमदनी** - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

## प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

# डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

**नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।**

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।
जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।

# डबल हीरो पीरियड ड्रामा फिल्म है धनुष की 'वेलपारी'

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों चर्चा है कि निर्देशक एस शंकर सा अपनी लंबे समय से अटकी ऐतिहासिक परियोजना 'वेलपारी' के लिए धनुष से संपर्क में हैं। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों का दावा है कि डेट्स और अवेलिबिलिटी को लेकर शुरुआती स्तर पर बातचीत संभव है।

### दो हीरो वाले नैरेटिव में मेकर्स रचेंगे बड़ा कैनवास

'वेलपारी' को शंकर का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा है और इसे एक डुअल-हीरो पीरियड ड्रामा के रूप में डेवलप किया जा रहा है। इससे पहले रिपोर्ट्स में विक्रम और रणवीर सिंह के नाम प्रमुख पात्रों के लिए सामने आए थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब चर्चा है कि शंकर ने धनुष की डेट्स के बारे में जानकारी ली है, जिससे अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल ही में शंकर, धनुष की फिल्म 'डी55' के पूजा समारोह में शामिल हुए थे। 'DSS' को प्रोड्यूस कर रहे बैनर आर टेक स्टूडियोज, 'वेलपारी' को लेकर शंकर से बातचीत में हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

### 'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है कहानी

शंकर की यह फिल्म फेमस नॉवेल 'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु वेंकटेशन ने लिखा है। यह नॉवेल प्राचीन तमिल शासक वेलपारी के जीवन, शौर्य और अद्भुत दानवीरता का वर्णन करती है।

शंकर पहले भी सार्वजनिक मंचों पर नॉवेल के प्रति अपनी गहरी इच्छा जता चुके हैं और इसे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'अवतार' जैसे भव्य स्तर पर बनाने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। दूसरी ओर, धनुष हाल ही में 'तेरे इश्क में' में नजर आए थे और अब 'कारा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'डी55', 'डी56' और 'कलाम: द मिसाइल मैन और इंडिया' शामिल हैं। ऐसे में अगर 'वेलपारी' पर मुहर लगती है तो यह तमिल सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक हो सकती है।

# थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं।

स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो 'वशीकरणम' में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।'' स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। 'वशीकरणम' मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।'' स्नेहलता ने आगे कहा, ''थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।''

स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए 'वशीकरणम' शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

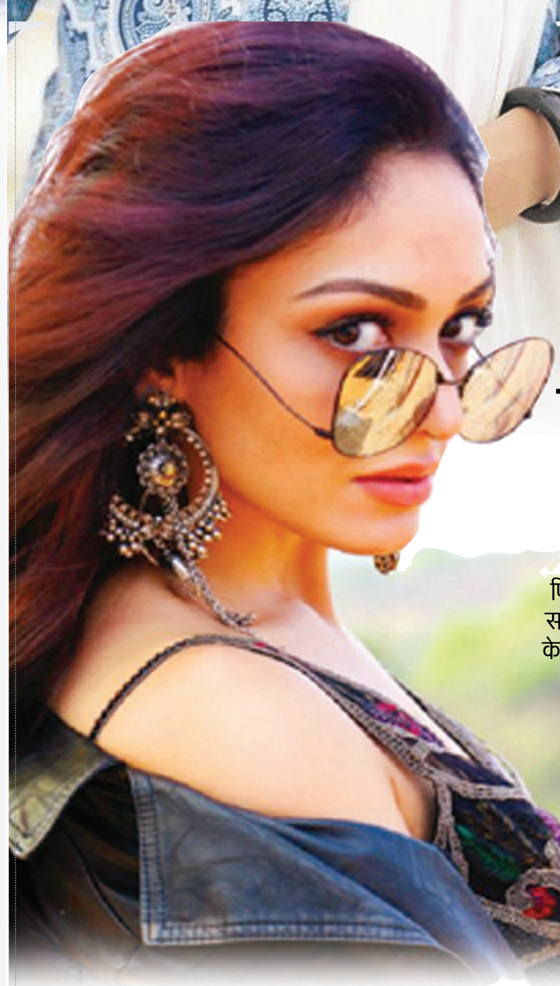

# वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' में नजर आएंगी खुशाली कुमार

फिल्म 'घुड़चड़ी' में रवीना टंडन और संजय दत्त के साथ अभिनय कर चुकीं खुशाली कुमार अब फिल्मों के बाद जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। यह सीरीज का दूसरा भाग होगा, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा। फैशन और म्यूजिक वीडियो से शुरुआत करने वाली खुशाली अब फिल्मों और वेब सीरीज पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। खुशाली कुमार वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' के सीजन 2 में नजर आएंगी। इस सीरीज में खुशाली 'तृप्ती' नाम की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित हैं। हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में खुशाली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपने सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओटीटी पर काम करना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है।

खुशाली कुमार कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार संजय दत्त और रवीना टंडन की फिल्म 'घुड़चढ़ी' में देखा गया था। इसके अलावा वह 'धोखा: राउंड डी कॉर्नर', 'स्टारफिश',, 'डेढ़ बीघा जमीन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी-सीरीज के कई लोकप्रिय संगीत वीडियो जैसे 'मैनु इश्क दा', 'हाईवे स्टार', और 'रात कमाल है' में भी काम किया है।

# 'धुरंधर 2' की आड़ में रामगोपाल वर्मा ने नामी एक्टर्स पर साधा निशाना

गुरुवार को फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों रिलीज हुई, इसने पहले दिन ही 100 करोड़ क्लब में एंट्री मार ली। ऐसा करने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी हिट बन गई है। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को देखकर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा गदगद हैं। साथ ही वह बॉलीवुड के बाकी फिल्ममेकर्स और एक्टर को भी एक चेता रहे हैं। एक ट्वीट करते हुए पहले रामगोपाल वर्मा ने भारतीय सिनेमा के फिल्ममेकर्स को निशाने पर लिया। वह अपने ट्वीट में लिखते हैं, 'धुरंधर 2 उन सभी फिल्म निर्माताओं के लिए एक डरावनी फिल्म है जिन्होंने घटिया सिनेमा पर अपना करियर और दौलत बनाई। वो सिनेमा जो शोर-शराबे और मसाले से भरा हुआ, हमारे गले में जबरदस्ती उतारा गया था, अब जल्द ही वेंटिलेटर पर सांस लेने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आएगा।'

आगे ट्वीट में रामगोपाल वर्मा ने बिना नाम लिए बड़े एक्टर्स को भी लताड़ा है। वह ट्वीट में लिखते हैं, ' फिल्म 'धुरंधर 2' उन सभी फिल्म निर्माताओं को बुरी तरह डरा देगी जो आज भी स्टार्स को भगवान की तरह पूजते हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने उन सभी हीरोज को मार डाला है जो कभी खून नहीं बहाते, कभी दर्द महसूस नहीं करते हैं।' डायरेक्टर ने बॉलीवुड के उन हीरो को सर्कस का जोकर तक कह दिया है। रामगोपाल वर्मा ने अपने ट्वीट में कई और बातें कही हैं। लेकिन आखिरी में वह 'धुरंधर 2' के डायरेक्टर आदित्य धर को जमकर सराहते हैं। वह ट्वीट में लिखते हैं, 'फिल्म 'धुरंधर 2' सिर्फ एक मूवी नहीं है। यह एक फैसला है। आदित्य धर ने उस तरह के सिनेमा का सिर काट दिया है, जिसने दर्शकों की समझ का अपमान किया है। जिसने कहानियों की जगह भड़कीले और दिखावटी विजुअल्स को दिखाया, जिसने हीरो को भगवान और दर्शकों को भेड़ बना दिया।

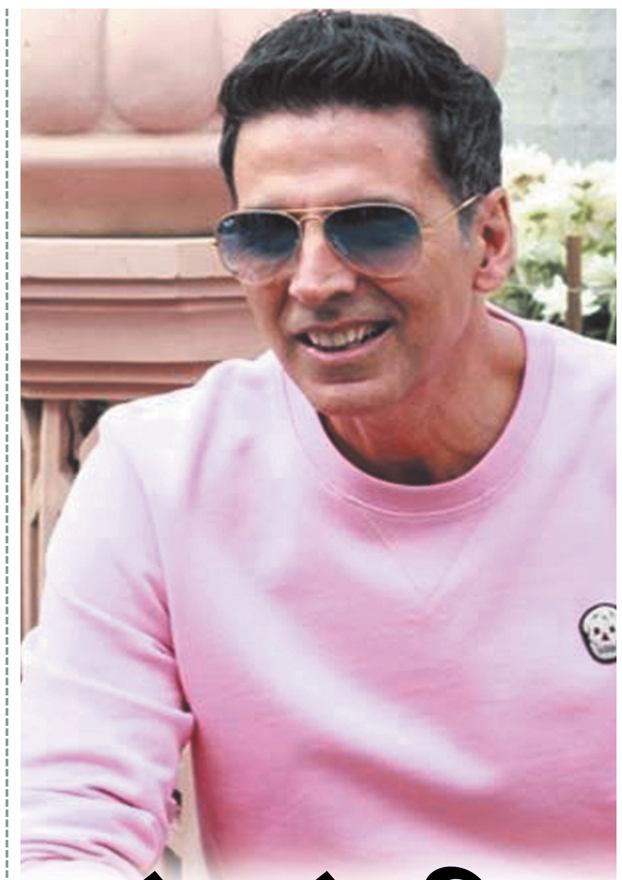

# इमेज के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने अपनी कनाडाई नागरिकता पर खुलकर बात की है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में अक्षय ने बताया कि उन्होंने कनाडा शिफ्ट होने का फैसला तब लिया था, जब उनकी बैक-टू-बैक 16-17 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय ने साफ किया कि वह देशभक्ति वाली फिल्में अपनी कोई खास इमेज बनाने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वह विषय सही लगते हैं।

### लगातार फिल्में फ्लॉप हुई तो लिया था फैसला

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके करियर में एक ऐसा दौर आया था जब उनकी 16-17 फिल्में लगातार फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय के मुताबिक, मेरे पास काम तो था लेकिन सिर्फ 3-4 फिल्में बची थीं। उस वक्त मुझे लगा कि अब कुछ और करना चाहिए। मुझे कनाडा में काम मिल रहा था, तो मैंने वहां जाकर छोटा सा बिजनेस करने का प्लान बनाया था। इसी दौरान अक्षय ने कनाडा की नागरिकता ली और उन्हें वहां का पासपोर्ट मिल गया। अक्षय ने कहा की कमाल की बात यह रही कि मेरी जो 3 फिल्में रिलीज होने वाली थीं, वो तीनों ही हिट हो गईं। मुझे फिर से भारत में काम मिलने लग गया। मैंने अपने दोस्त से कह दिया कि मैं अब नहीं आ रहा हूं और भारत में ही रहूंगा। उस बीच मैं पासपोर्ट वाली बात भूल गया। मेरे लिए वह सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट था।

### इमेज बनाने के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

जब अक्षय से पूछा गया कि क्या 'केसरी' जैसी फिल्में उन्होंने नेशनलिस्ट हीरो की इमेज बनाने के लिए कीं? इस पर उन्होंने कहा, मैं जो भी काम करता हूं, अपनी इमेज बनाने के लिए नहीं करता। मैं बहुत काम करता हूं, लेकिन देशभक्त की इमेज बनाने के लिए नहीं। मैं वो काम करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि मैं ट्रोलिंग से बचने के लिए ऐसी फिल्में करता हूं, जबकि ऐसा नहीं है।

### भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा, फिर भी लोग बोलते हैं

ट्रोलिंग पर दुख जताते हुए अक्षय ने कहा, लोग मुझे कैनेडियन-कैनेडियन कहने लगे, तो मैंने पासपोर्ट ही बदल लिया। मुझे समझ नहीं आता कि लोग इतना क्यों बोलना चाहते हैं? वह सिर्फ एक पासपोर्ट था, जबकि मैं टैक्स भारत में भरता हूं। जब मैं कैनेडियन था, तब भी मैंने भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा। मैंने कनाडा में कभी टैक्स नहीं भरा, लेकिन इसकी कोई बात नहीं करता।

### 2023 में मिली भारत की नागरिकता

अक्षय कुमार के पास लंबे समय तक कनाडा की नागरिकता रही, जिसके कारण उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता था। साल 2023 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अक्षय ने जानकारी दी थी कि उन्हें अब भारतीय नागरिकता और पासपोर्ट मिल गया है। इससे पहले वे कनाडाई नागरिक होने के कारण भारत में वोट भी नहीं डाल पाते थे।

# बड़े पैमाने पर शिवाजी की कहानी को दिखाना चाहते हैं रितेश

रितेश देशमुख अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'राजा शिवाजी' के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में 'धुरंधर 2' के साथ फिल्म का टीजर दिखाया गया, जिसे देखने के बाद फैंस इस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के लिए यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई प्रयास से कहीं बढ़कर है। यह एक बेहद निजी सफर है, जो एक महाराष्ट्रीयन के रूप में उनकी जड़ों से जुड़ा है। उनका मानना है कि इस महान योद्धा राजा का किरदार निभाना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है।

### छत्रपति शिवाजी महाराज आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं

वैरायटी से बात करते हुए रितेश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक मराठी परिवार से होने के नाते, हम छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की कहानियां पढ़ते और सुनते हुए बड़े हुए हैं। उनकी प्रासंगिकता आज की पीढ़ी में भी उतनी ही सच्ची है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में उनके जैसा कोई दूसरा है। मैं गुरुओं या देवताओं की बात नहीं कर रहा। मैं एक ऐसे राजा की बात कर रहा हूं, जो लगभग 350 साल पहले रहते थे, लेकिन आज भी लोग उनके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। वो आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। एक ऐसे राजा जिन्होंने एक अमर विरासत छोड़ी है, जो आज भी प्रेरणा देती है। फिल्म को लेकर रितेश देशमुख ने कहा कि 'राजा शिवाजी' एक मराठी द्विभाषी फिल्म है। हम अन्य भाषाओं में भी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। हमारा उद्देश्य इसे बड़े पैमाने पर बनाना है। अक्सर, मराठी फिल्में सीमित दायरे में ही बन पाती हैं। जनसंख्या के हिसाब से, महाराष्ट्र में लगभग 12 करोड़ लोग हैं, जिनमें से लगभग 10 करोड़ मराठी भाषी हैं। यह कई अन्य राज्यों या यहां तक कि देशों की जनसंख्या से कहीं अधिक है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े इसे नहीं दर्शाते। क्षमता तो है ही, जैसा कि 'सैराट' (2016), 'लाई भारी' (2014) या 'वेद' (2022) ने दिखाया है। मैं महाराष्ट्र की व्यावसायिक क्षमता का लाभ उठाना चाहता हूं। शिवाजी महाराज को पूरे भारत में पूजा जाता है। हम चाहते हैं कि लोग देखें कि राजा के निर्माण में क्या-क्या शामिल था और उनके बचपन पर किन-किन चीजों का प्रभाव पड़ा।

### हम एक नए पहलू को बताने की कोशिश कर रहे हैं

फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव को लेकर अभिनेता ने कहा कि कहानी उनके एक साक्षी होने से शुरू होती है। फिर उनके प्रश्न पूछने तक और अंत में उनके द्वारा अपने भविष्य के बारे में फैसले लेने तक जाती है। हम उनके व्यक्तित्व के एक बिल्कुल अलग पहलू की पड़ताल कर रहे हैं। यह जितनी ऐतिहासिक गाथा है, उतनी ही यह एक परिवार की कहानी भी है। एक पिता, एक पुत्र, एक पति और एक भाई की कहानी। उनका 50 साल की कम उम्र में ही निधन हो गया, लेकिन तब तक उन्होंने बहुत कुछ हासिल कर लिया था। मैं उनके जीवन को ढाई-तीन घंटे में समेटने की कोशिश कर रहा हूं।

### 1 मई को रिलीज होगी 'राजा शिवाजी'

रितेश देशमुख ने 'राजा शिवाजी' में न सिर्फ अभिनय किया है, बल्कि इसे निर्देशित भी किया है, कहानी भी लिखी है और प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, फरदीन खान, महेश मांजरेकर, भाग्यश्री और सलमान खान के नाम शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।